सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण: नारा गांव, हिसार (हरियाणा)

का एक केस अध्ययन

भूगोल में B.A.III ऑनर्स की डिग्री की आंशिक पूर्ति के लिए भूगोल विभाग

को प्रस्तुत एक क्षेत्र आधारित परियोजना रिपोर्ट

LEAD KINDLY LIGHT

GOVT. COLLEGE JIND

सा विद्या या विमुक्तये

सह प्रस्तुत कर्ता

श्री विक्रम सिंह

सह - प्राध्यापक

द्वारा प्रस्तुत

नाम : राहुल

रोल नंबर : 1220681063003

भूगोल विभाग

राजकीय महाविद्यालय जींद (हरियाणा)

सत्र - 2024-2025

अंतर्वस्तु

उम्मीदवार की घोषणा

प्रमाणपत्र

अभिस्वीकृति

क्षेत्र सर्वेक्षण

भूगोल में क्षेत्र सर्वेक्षण की भूमिका

क्षेत्र सर्वेक्षण की योजना

क्षेत्र सर्वेक्षण प्रक्रिया के चरण अध्ययन का लक्ष्य और उद्देश्य

परिकल्पना

आकड़ों का आधार

क्रियाविधि

अध्ययन क्षेत्र :- जलवायु, वर्षा,तापमान,आर्द्रता,पवन ,मिट्टी,हाइड्रोजियोलॉजी,

भूमि जल प्रवाह

परिवार / सामाजिक संरचना :-जनसंख्या, जनसंख्या का धर्म, वर्ग एवं जाति, परिवार की

सरंचना, राशन कार्ड , घरों के प्रकार ,पेयजल का स्रोत एवं उपलब्धता

बिजली का स्रोत एवं उपलब्धता ,खाना पकाने के लिए प्रयुक्त चूल्हा व ईंधन

परिवहन के साधन ,संचार के साधन

सुविधाएं

भू स्वामित्व

पशुधन

उत्प्रवास

गांव की प्रमुख समस्याएं

निष्कर्ष और सुझाव

उम्मीदवार की घोषणा

मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि **"सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण : नारा गांव, हिसार का एक केस स्टडी"** नामक रिपोर्ट में प्रस्तुत कार्य भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय जींद को प्रस्तुत किया गया है। बी.ए. आनर्स की उपाधि प्रदान करने की आवश्यकता की पूर्ति हेतु श्री विक्रम सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग राजकीय महाविद्यालय जींद की देखरेख में मेरे द्वारा किए गए कार्यों का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है। राजकीय महाविद्यालय जींद इस रिपोर्ट में सन्निहित मामले को कहीं और किसी अन्य डिग्री के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

नाम : राहुल

रोल नंबर : 1220681063003

प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि वर्तमान रिपोर्ट **"सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण : नारा गांव, हिसार का एक केस स्टडी"** क्षेत्र सर्वेक्षण पर आधारित है जो बी.ए. (भूगोल ऑनर्स) के छठे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा मेरी देख- रेख में आयोजित किया गया था। यह कार्य का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है और इसे मूल्यांकन के लिए परीक्षक के समक्ष रखा जा सकता है।

श्री विक्रम सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर

भूगोल विभाग

राजकीय महाविद्यालय जींद

अभिस्वीकृति

मैं गांव नारा, जिला हिसार में क्षेत्र सर्वेक्षण करने की अनुमति देने के लिए **प्राचार्य श्री सत्यवान मलिक** के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। मैं इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए मेरे **मार्गदर्शक श्री विक्रम सिंह** द्वारा दिए गए समय और लगातार सहयोग के लिए आभारी हूं। क्षेत्र सर्वेक्षण की तैयारी में विभिन्न स्रोतों और संगठनों से मदद और सामग्री ली गई है, मैं नारा गांव के लोगों का भी आभारी हूं जिन्होंने अपने परिवार की संरचना, शिक्षा, व्यवसाय और प्रवास आदि के बारे में उपयोगी जानकारी साझा की। ग्रामीण सवाल का जवाब देने में बहुत ईमानदार थे और उन्होंने हमें उनके साथ बातचीत करने के लिए पर्याप्त समय दिया।

मैं अपने सभी साथी छात्रों (**राहुल, दीपक, योगेश ,मिलाप, लोकेश, पारूल, प्रीति**) ,दोस्तों और गांव के ही विद्यार्थी **अंकित, योगेश व सुमित** को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो पूरे सर्वेक्षण के दौरान मेरे साथ रहे और बहुमूल्य जानकारी लेकर आए जिनके आधार पर यह रिपोर्ट सफलतापूर्वक पूरी की गई है।

मुझे उम्मीद है कि यह रिपोर्ट नारा गांव के सामाजिक आर्थिक पहलुओं को समझने में मदद करेगी।

नाम : राहुल

रोल नंबर : 1220681063003

क्षेत्र सर्वेक्षण

परिचय : भूगोल पृथ्वी की सतह का अध्ययन है। इस अध्ययन में भूगोलवेत्ता द्वारा विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जाता है। आरम्भिक भूगोलवेत्ताओं ने अभियानों के माध्यम से इसे संभव बनाया। इसके बाद, रोमन साम्राज्य के दौरान एकत्र किए जाने वाले राजस्व की गणना के लिए नक्शे तैयार करने के लिए एग्रीमेन्सर्स ने क्षेत्र का दौरा किया। दुनिया का पता लगाने के लिए भूगोलवेत्ताओं द्वारा इस परंपरा को 1400 ईस्वी से 1900 ईस्वी तक आगे बढ़ाया गया। हवाई फोटोग्राफी और रिमोट सेंसिंग के युग में भी, कार्य तब तक पूरा नहीं हो सकता था जब तक कि हम ज़मीनी सच्चाई के माध्यम से आकड़ों को सत्यापित नहीं करते। उपरोक्त चर्चा से पता चलता है कि प्राचीन काल से लेकर समकालीन समय तक भौगोलिक अध्ययन में क्षेत्रीय सर्वेक्षण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे हम पृथ्वी पर देखी गई भौतिक या सांस्कृतिक घटनाओं का अध्ययन करें, एक भूगोलवेत्ता को क्षेत्र सर्वेक्षण की मदद लेनी चाहिए।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण का महत्व (सामाजिक-आर्थिक) :

किसी क्षेत्र का भूगोल मूलतःदो तत्वों से बना होता है: भौतिक और सांस्कृतिक। इन दोनों में से, सांस्कृतिक तत्व लौकिक और स्थानिक दोनों स्तरों पर अत्यधिक गतिशील हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषताएँ अत्यधिक परिवर्तनशील हैं। सामाजिक विशेषताएँ जैसे जीवन शैली, जीवन स्तर, भोजन की आदतें आदि; व्यवसाय, कमाई का स्तर आदि जैसी आर्थिक विशेषताएं बहुत बार बदलती हैं और क्षेत्र सर्वेक्षण ही एकमात्र

उपकरण है जो सटीक और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकता है। दूसरी ओर, किसी क्षेत्र की भौतिक विशेषताओं का अध्ययन करने और समझने के लिए, क्षेत्र सर्वेक्षण दिमाग पर एक लंबी छाप बनाने में मदद करता है। अंग्रेजी में एक कहावत है कि " **I READ, I FORGET, I SEE, I REMEMBER, I DO, I UNDERSTAND**

- ❖ प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता जेम्स फेयर ग्रिव के अनुसार "भूगोल का ज्ञान जूतों की तली को घिसाकर ही प्राप्त किया जा सकता है अर्थात भूगोल का ज्ञान हमें पुस्तकालय से नहीं बल्कि स्वयं क्षेत्र में जाकर प्राप्त होता है"।
- ❖ रैटजल महोदय ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर कहा है "मैंने यात्राएं की, मैंने रेखा चित्र बनाए, मैंने वर्णन किया"।
- ❖ प्रोफेसर ई फ्रिमेल के अनुसार "भूगोल यात्रा करने तथा स्वयं अपनी आंखों से देखने का विषय है"।

योजना : क्षेत्रीय सर्वेक्षण के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक आकड़े या तो जनगणना सर्वेक्षण या नमूना सर्वेक्षण द्वारा एकत्रित किए जा सकते हैं। यदि हमारे पास लक्ष्यों का एक छोटा समूह है जिसे दिए गए समय के भीतर इकट्ठा किया जा सकता है, तो हमें जनगणना सर्वेक्षण के लिए जाना चाहिए, क्योंकि यह हमें विस्तृत और सटीक जानकारी प्रदान करता है। यदि लक्ष्य समूह बड़ा है और समय सीमित है, तो हमें नमूना सर्वेक्षण करना चाहिए। यहां नमूने का चयन उचित नमूना तकनीक जैसे यादृच्छिक, स्तरीकृत

यादृच्छिक, कोटा इत्यादि चुनकर किया जाना चाहिए। पूरे क्षेत्र सर्वेक्षण को निम्नलिखित चरणों में संक्षेपित किया जा सकता है:

क) प्राथमिक चरण :- इसमें सर्वेक्षणकर्ता को सर्वेक्षण की योजना बनानी होती है। आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए क्षेत्र के आधार पर जनगणना सर्वेक्षण या नमूना सर्वेक्षण का चयन करना। सभी प्रश्नों को शामिल करते हुए अनुसूची तैयार करना।

ख) क्रियान्वयन चरण:- इसमें क्षेत्र में जाकर योजना के आधार पर लक्ष्य समूह से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करके अनुसूची में जानकारी भरना।

ग) परिगणन चरण:- इसमें सर्वेक्षण का काम पूरा होने पर एकत्रित आंकड़ों का संपादन, वर्गीकरण और प्रासंगिक तालिकाएं तैयार करना।

घ) मानचित्र चरण:- इसमें विभिन्न आंकड़ों को मानचित्र तथा रेखा चित्रों की सहायता से दर्शाया जाना।

ङ) रिपोर्ट चरण:- सर्वेक्षण का सारा काम पूरा हो जाने के बाद तालिकाओं का विश्लेषण, व्याख्या और परिणामों का उल्लेख करना तथा निष्कर्ष निकालना।

अध्ययन का लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. परिवार के आकार ,लिंग संयोजन ,साक्षरता दर तथा आर्थिक क्रियाओं/ स्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त करना।
2. परिवार के मकान की संरचना, पानी, बिजली व ईंधन की सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
3. सरकारी सेवाओं का लाभ (मकान, पानी, बिजली व ईंधन) जरूरतमंदों को मिल रही है या नहीं यह अध्ययन करना है।
4. परिवार के पास पाए जाने वाले परिवहन, संचार, भू स्वामित्व एवं पशुधन के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
5. सर्वेक्षण के आधार पर गांव में विभिन्न धर्मो एवं जातियों का जनांकिकीय ,सामाजिक, व्यवसायिक एवं प्रवासीय गतिविधियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. परिवार के सदस्यों का प्रवास से संबंधित जानकारी का कारणों सहित तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :

- गांव में मुख्यतःएकल परिवारों का पाया जाना चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति भू स्वामित्व अल्पसंख्यक/पिछड़े जाति भूस्वामित्व से ज्यादा होना चाहिए ।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में लिंग संयोजन एवं पशुओं की संख्या अल्पसंख्यक/पिछड़े जाति से कम होनी चाहिए।

- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति के परिवार की साक्षर अल्पसंख्यक/पिछड़े जाति की साक्षरता से ज्यादा होनी चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में सरकारी योजनाओं का लाभ (मकान,पानी ,बिजली, ईंधन) अल्पसंख्यक/पिछड़े जाति की अपेक्षा ज्यादा होनी चाहिए।
- बहुसंख्यक /प्रभावशाली जाति में विदेशी प्रवास अल्पसंख्यक/पिछड़े जाति की अपेक्षा ज्यादा होना चाहिए।

आकड़ो का आधार :

गांव के वर्तमान सर्वेक्षण को प्राथमिक आंकड़ों के विभिन्न चरों को एकत्रित करने के लिए क्षेत्र अध्ययन एवं संरचित अनुसूची के माध्यम से एकत्रित किया गया। जो अनुसूची बनाई गई थी उसमें नारा गांव की जनान्कीय, पारिवारिक ,सामाजिक, आर्थिक स्थिति एवं साधारण जानकारियों को एकत्रित किया गया। संभावना / याद्दच्छिक नमूनाकरण (व्यवस्थित नमूनाकरण) एक याद्दच्छिक प्रारंभिक बिंदु के बाद एक जनसंख्या सूची से प्रत्येक दुसरे घर का चयन किया गया।इस प्रकार गांव में कुल 602 घरों में से 301 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इस जानकारी को एकत्रित करने के लिए हर दुसरे घर के मुखिया से मिले, जिससे हमारे आंकड़े विश्वसनीय बने। घर के मुखिया से विभिन्न प्रकार के आंकड़े एकत्रित किए गए जैसे की-

क) मकान की संरचना	ख) पारिवारिक संरचना	ग) लिंग संयोजन
घ) साक्षरता दर	ङ) आर्थिक आय	च) आर्थिक क्रियाएं
छ) भू स्वामित्व	ज) प्रवास	झ) पशुओं की संख्या

य) पानी, बिजली, ईंधन के स्रोत एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ

प्राथमिक स्रोत से प्राप्त इन आंकड़ों को हमने सूचीबद्ध किया तथा विभिन्न मानचित्र रेखा विधि के द्वारा प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शन में दण्ड आरेख तथा चक्र आरेख का प्रयोग किया गया।

क्रियाविधि :

आकड़े संग्रह की प्रक्रिया में, गांव के 301 घरों के आंकड़ों को एकत्र करने के लिए 30 मार्च से 5 अप्रैल 2025 तक अध्ययन क्षेत्र में एक जनगणना सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। इस उद्देश्य के लिए, प्रत्यक्ष साक्षात्कार पद्धति को अपनाया गया जहां छात्रों ने अनुसूची में उल्लिखित के ही कुछ व्यक्ति आएसभी विवरणों को भरने के लिए हर दुसरे घर के मुखिया और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत की। आंकड़ों के विश्लेषण में लिंगानुपात, साक्षरता दर, प्रति व्यक्ति आय, आयु संरचना, प्रवास आदि का विश्लेषण करने के लिए प्रतिशत जैसी सरल सांख्यिकीय पद्धति का उपयोग किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र :

अध्ययन क्षेत्र नारा गांव हरियाणा में हिसार जिले के नारनौंद तहसील में स्थित है। यह गाँव जिला मुख्यालय हिसार से 52 किमी दूर स्थित है, लेकिन यह जींद से केवल 20 किमी दूर है। (**गांव के एक मौजिज आदमी जिनका नाम प्रियव्रत बेनीवाल है उन्होंने बताया की नारा गांव के लोग लगभग 200 साल पहले नारनौंद कस्बे से केवल जाट जाति के ही कुछ व्यक्ति आए थे, फिर धीरे-धीरे दूसरी**

जातियों के लोग भी वहां बसने लगे।) गांव के केंद्र की भूगोलीय स्थिति 29.33° उत्तर अक्षांश और 76.15°पूर्व देशांतर है। अध्ययन क्षेत्र की ऊंचाई समुद्र तल से 222 मीटर है। अध्ययन क्षेत्र का अपना ग्राम पंचायत घर है। गाँव के सामाजिक स्तर में जाट ,ब्राह्मण , चमार, , कुम्हार, आदि विभिन्न जातियाँ शामिल हैं। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार गाँव का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 816 हेक्टेयर है। 2011 जनगणना के अनुसार नारा गांव की कुल जनसंख्या 3098 है, जिसमें पुरुष जनसंख्या 1666 है जबकि महिला जनसंख्या 1432 है। नारा गांव की साक्षरता दर 60.59% है, जिसमें से 71.61% पुरुष और 47.77% महिलाएं साक्षर हैं। नारा गांव में करीब 602 घर हैं । जब प्रशासन की बात आती है, तो नारा गांव का प्रशासन एक सरपंच द्वारा किया जाता है, जो स्थानीय चुनावों द्वारा गांव का प्रतिनिधि चुना जाता है। वर्तमान में सरपंच श्रीमती समीता देवी धर्मपत्नी सुधीर बेनीवाल हैं । 2019 के आंकड़ों के अनुसार, नारा गांव नारनौंद विधानसभा क्षेत्र और हिसार संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। सभी प्रमुख आर्थिक गतिविधियों के लिए नारनौंद नारा गांव का निकटतम कस्बा है और निकटतम शहर जींद है।

जलवायु :

अध्ययन क्षेत्र की जलवायु को उष्णकटिबंधीय स्टेपी, अर्ध शुष्क और गर्म के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जो मुख्य रूप से शुष्क होती है जिसमें गर्मीयों में बहुत गर्मी और ठंडी में अत्यधिक सर्दी होती है, मानसून के मौसम को छोड़कर जब समुद्री मूल की नमी मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है। एक वर्ष में 4 ऋतुएँ होती हैं। भीषण गर्मी मार्च के मध्य से शुरू होकर जून के अंतिम सप्ताह तक चलती है, इसके बाद दक्षिण पश्चिम

मानसून आता है जो सितंबर तक रहता है। सर्दी का मौसम नवंबर में शुरू होता है और मार्च के पहले सप्ताह तक रहता है।

वर्षा : अध्ययन क्षेत्र की सामान्य/ बहुसंख्यक वर्षा 515 मिमी है। जो 26 दिनों तक क्षेत्र में असमान रूप से वितरित रहता है। दक्षिण पश्चिम मानसून जून के अंतिम सप्ताह से शुरू होता है और सितंबर के अंत में वापस आ जाता है। वार्षिक वर्षा में इसका योगदान लगभग 84% है। जुलाई और अगस्त सबसे अधिक बारिश वाले होते हैं। शेष 16% वर्षा गैर-मानसूनी अवधि के दौरान पश्चिमी वितरण और गरज के साथ होती है।

तापमान : अध्ययन के अनुसार जून के महीने में दैनिक अधिकतम तापमान 41°C दर्ज किया गया है तीव्र गर्मी में दिन का तापमान कभी-कभार 47 या 48 °C से अधिक हो सकता है और जनवरी के महीने में औसत न्यूनतम तापमान 6°C दर्ज किया गया है और औसत दैनिक न्यूनतम 27 °C के आसपास है ।

आर्द्रता : नारा गांव की औसत आर्द्रता 45 से 55% तक रहती है। यह अप्रैल - मई के महीने में न्यूनतम स्तर 20% पर पहुंच जाती है तथा जुलाई महीने में 60 से 70% तक पहुंच जाती है।

पवन : सामान्य/ बहुसंख्यकता क्षेत्र में हल्की पवनें चलती हैं। परंतु ग्रीष्म ऋतु के दूसरे चरण में तथा मानसून ऋतु के प्रारंभ में पवनों की गति तीव्र होती है। गर्मियों में तेज चलती पवनों को " लू " कहते हैं । शीत ऋतु में क्षेत्र कभी-कभी शीत लहर से प्रभावित होता है। नारा गांव में पवनों की दिशा उत्तर से उत्तर - पूर्व की दिशा में चलती हैं, जो 11 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलती है ।

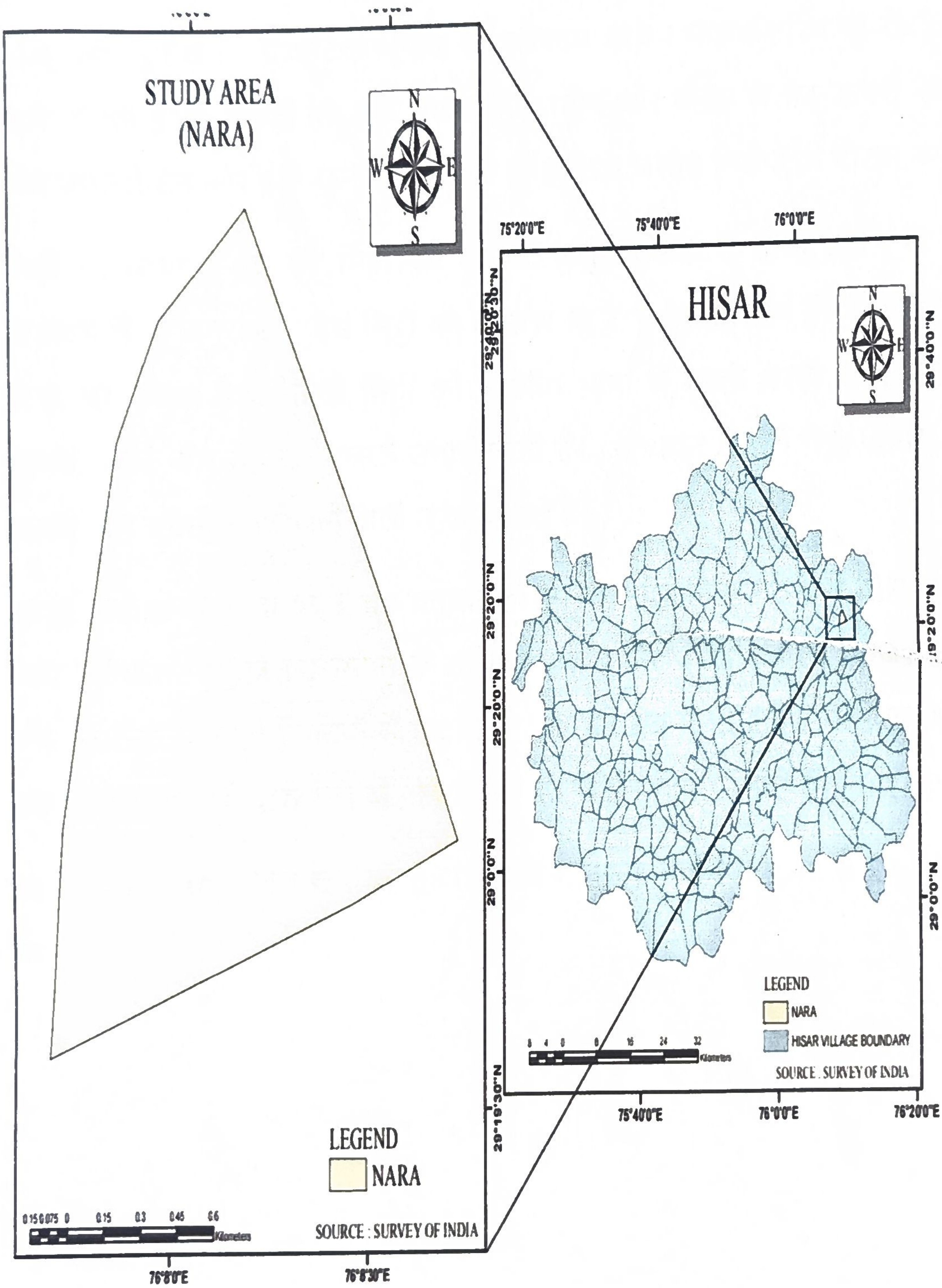

STUDY AREA
(NARA)
N
W
E
S
LEGEND
NARA
0.15 0.075 0 0.15 0.3 0.45 0.6
Kilometers
SOURCE : SURVEY OF INDIA
76°8'0"E
76°8'30"E
HISAR
75°20'0"E
75°40'0"E
76°0'0"E
76°20'0"E
29°40'0"N
29°20'0"N
29°0'0"N
LEGEND
NARA
HISAR VILLAGE BOUNDARY
8 4 0 8 16 24 32
Kilometers
SOURCE . SURVEY OF INDIA

प्राकृतिक भूगोल : प्राकृतिक भूगोल के परिणाम स्वरुप पंजाब-हरियाणा मैदान का गठन करता है जो काफी हद तक सपाट सुविधाहीन और नीरस जलोढ़ ऊपरी मैदान है और प्लेइस्टोसिन और इंडो-जेनेटिक प्रणाली के हालिया जलोढ़ निक्षेपों के दौरान बना है।

मिट्टी : अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी की बनावट बलुई दोमट से दोमट है। शारीरिक विशेषताओं के अनुसार. , इस मिट्टी को काल्लर या रेह और सीरज़ेन मिट्टी में विभाजित किया जा सकता है। रेतीली मिट्टी को स्थानीय भाषा में रेतली धरती कहा जाता है। बाजरा, ज्वार और गेहूं की फसलें उगाई जाती हैं। अध्ययन क्षेत्र में गेहूँ, कपास, धान, बाजरा और सरसों उगाई जाने वाली मुख्य फसलें हैं।

हाइड्रोज्योलोजी : अध्ययन क्षेत्र चतुर्धातुक युग के भूवैज्ञानिक गठन से घिरा हुआ है, जिसमें विशाल सिंधु जलोढ़ मैदान के हालिया जलोढ़ निक्षेप शामिल हैं। भूजल सीमित और अप्रतिबंधित दोनों स्थितियों में संतृप्ति के एक घने क्षेत्र में होता है। गहरे जलभृत जो व्यापक सीमित मिट्टी द्वारा रेखा के नीचे हैं, सीमित परिस्थितियों में होते हैं।

जल भूमि प्रवाह : जल स्तर की गहराई प्रति मानसून अवधि में 2.47 से 27.06 मीटर तक होती है।

पारिवारिक/सामाजिक संरचना:—

किसी क्षेत्र के मानवीय संसाधनों का वहां के पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक स्तर का सीधा असर पड़ता है । मानवीय संसाधनों की सरंचना उस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गहनता से प्रभावित करती है

पारिवारिक संरचना :

•जनसंख्या:— जनगणना 2011 के अनुसार नारा हरियाणा के हिसार जिले की हिसार तहसील में स्थित एक मध्यम आकार का गांव है जिसमें कुल 574 परिवार हैं एवं गांव की कुल जनसंख्या 3098 है । जनगणना 2011 के अनुसार 1666 (53.77 %) पुरुष है एवं 1432 (46.22 %) महिलाएं हैं। हरियाणा का लिंगानुपात 879 है एवं नारा गांव का लिंगानुपात 860 है जो कि हरियाणा के लिंगानुपात के संदर्भ में. 19 कम है।

30 मार्च से 5 अप्रैल 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार लगभग 602 घर है जिनमें से हमने 301 घरों के आंकड़े लिए गए , अतः 301 घरों की जनगणना के फलस्वरूप गांव में 1413 व्यक्ति ही पाए गए है । चित्र संख्या 1. के अनुसार वर्तमान में नारा गांव में 755 (53.43 %) पुरुष है एवं 658 (46.56%) महिलाएं हैं। इन आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में नारा गांव का लिंगानुपात 872 है जो कि हरियाणा के लिंगानुपात के संदर्भ में अब भी 7 कम है।

1

अनुसार वितरण:—

कड़ों में 301 (100 %) हिंदू पाए गए है। जो
ग नहीं रहते। चित्र संख्या 3,4 के अनुसार गांव में
के सर्वेक्षण में से जिनमें सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग
ल्पसंख्यक वर्ग के 62 घर (20.6%) और पिछड़े वर्ग
जब इन्ही घरों को जाति के अनुसार देखा गया तो
ाति में सबसे ज्यादा घर 193 (64.1%), उसके बाद
ड़े वर्ग में चमार जाति के 39 (13 %), तीसरे नंबर पर
ब्राह्मण जाति में 35 घर (11.6%), चौथे नंबर पर फिर से
क जाति के 25 घर (8.3%), पिछड़े वर्ग से नाई, कुम्हार,

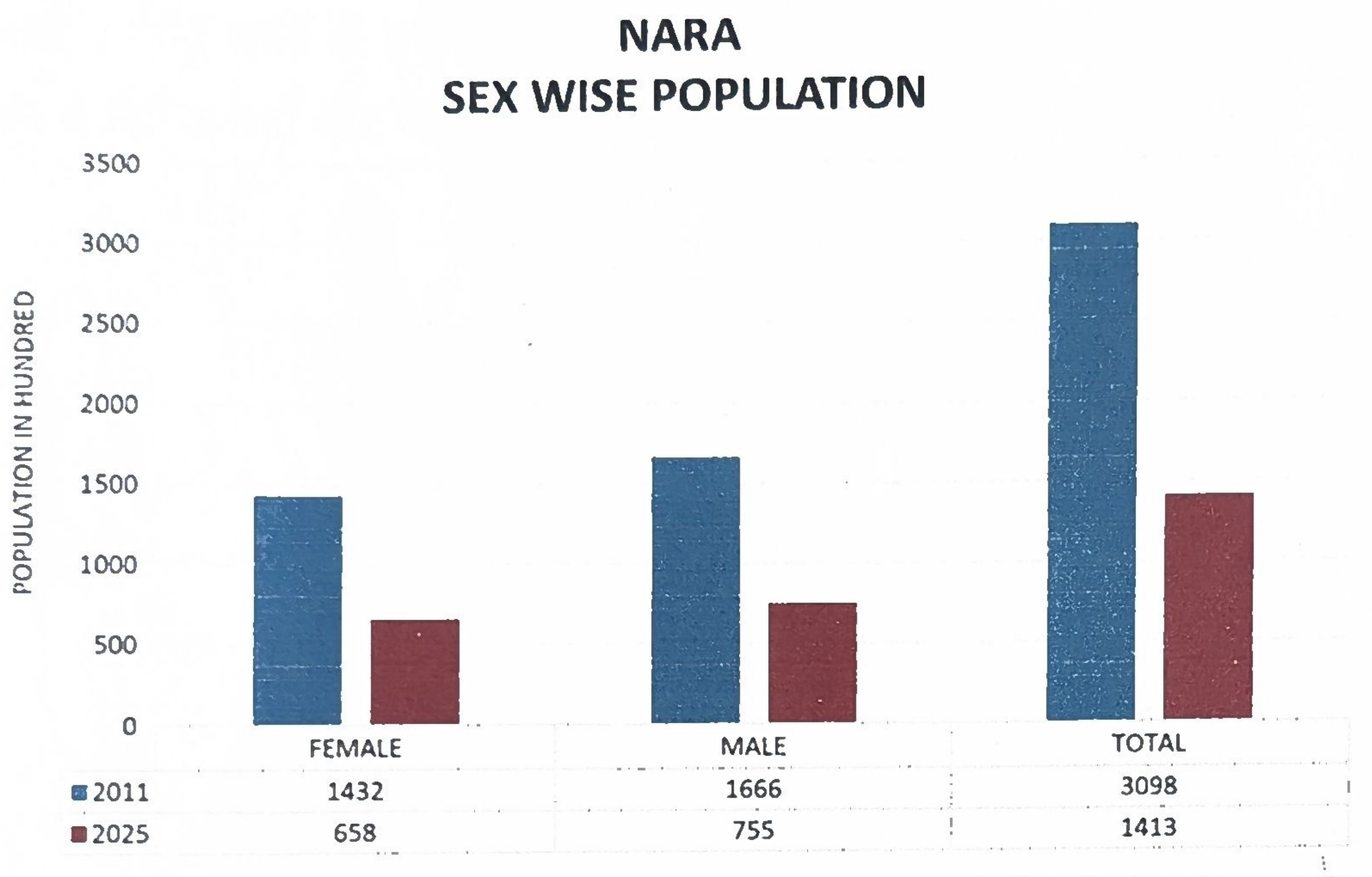

चित्र 1

जनसंख्या का धर्म, वर्ग एवं जाति के अनुसार वितरण:—

चित्र संख्या 2 के अनुसार 301 घरों के आंकड़ों में 301 (100 %) हिंदू पाए गए है। जो यह दर्शाता है कि गांव में दूसरे धर्म के लोग नहीं रहते। चित्र संख्या 3,4 के अनुसार गांव में विभिन्न वर्गों के लोग रहते हैं। 301 घरों के सर्वेक्षण में से जिनमें सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग के सबसे ज्यादा घर 228 (75.7%) अल्पसंख्यक वर्ग के 62 घर (20.6%) और पिछड़े वर्ग के केवल 11 घर (3.7%) पाए गए। जब इन्ही घरों को जाति के अनुसार देखा गया तो सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग में जाट जाति में सबसे ज्यादा घर 193 (64.1%), उसके बाद दूसरे नंबर पर अल्पसंख्यक/पिछड़े वर्ग में चमार जाति के 39 (13 %), तीसरे नंबर पर फिर सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग से ब्राह्मण जाति में 35 घर (11.6%), चौथे नंबर पर फिर से अल्पसंख्यक/पिछड़े वर्ग से धानक जाति के 25 घर (8.3%), पिछड़े वर्ग से नाई, कुम्हार,

खाती इत्यादि जाति के घरों की संख्या 1% के आसपास पाई गई। जो यह दर्शाता है कि गांव में विभिन्न वर्गों और जातियों के लोग आपस में सोहद्रपूर्ण वातावरण में रहते हैं।

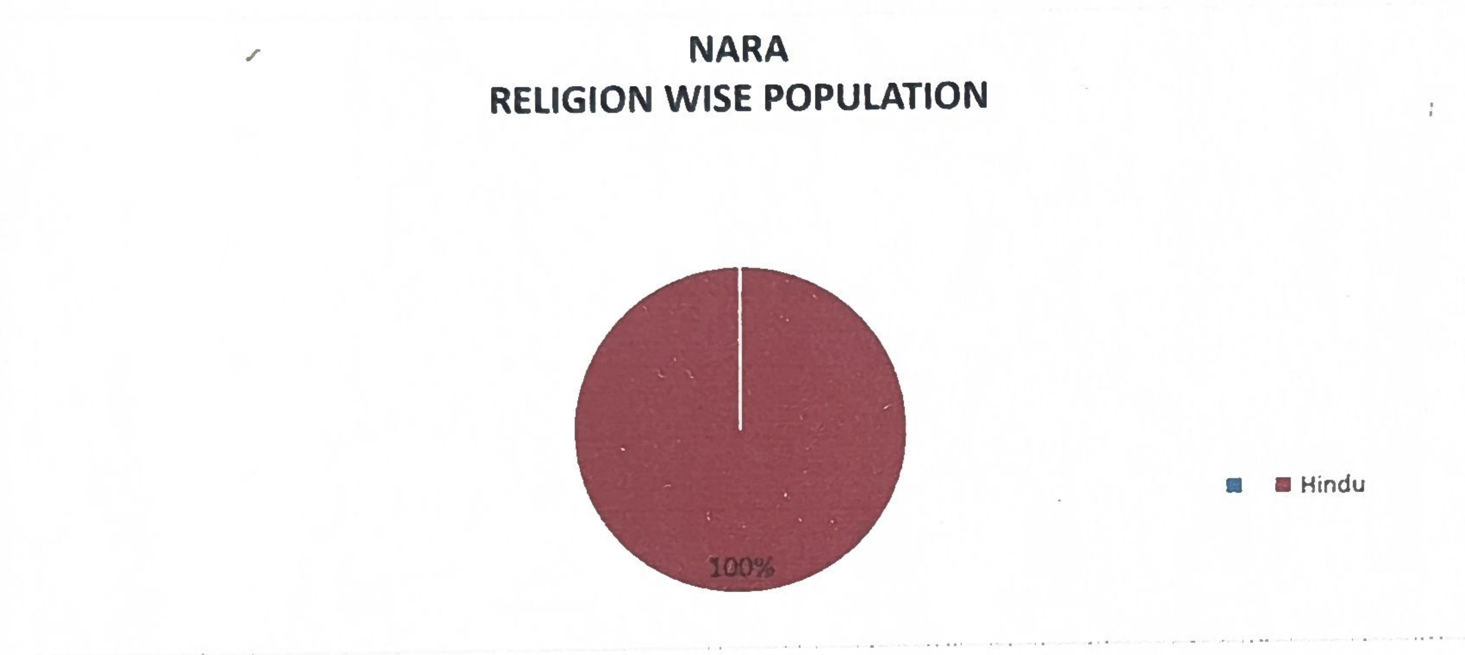

चित्र 2

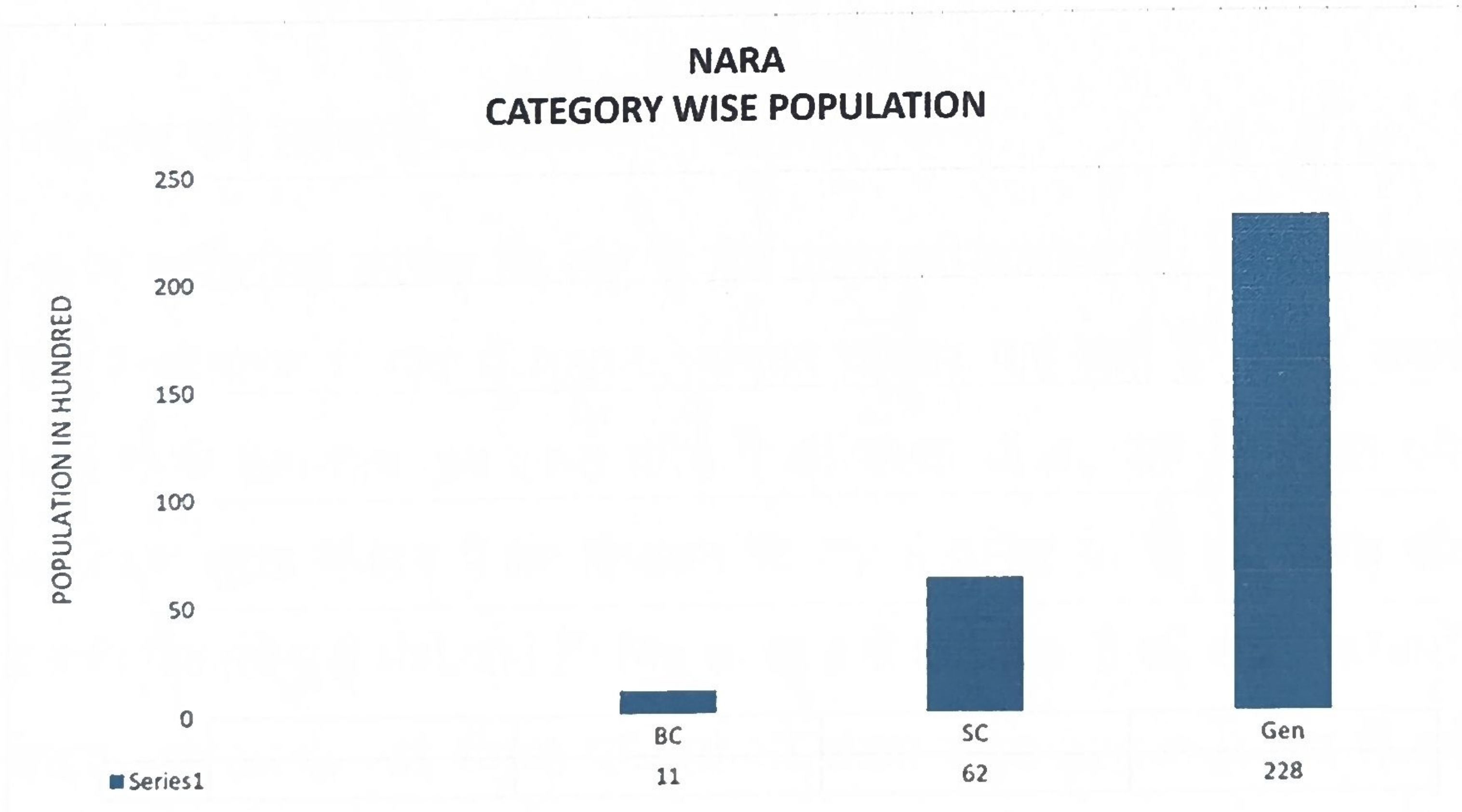

चित्र 3

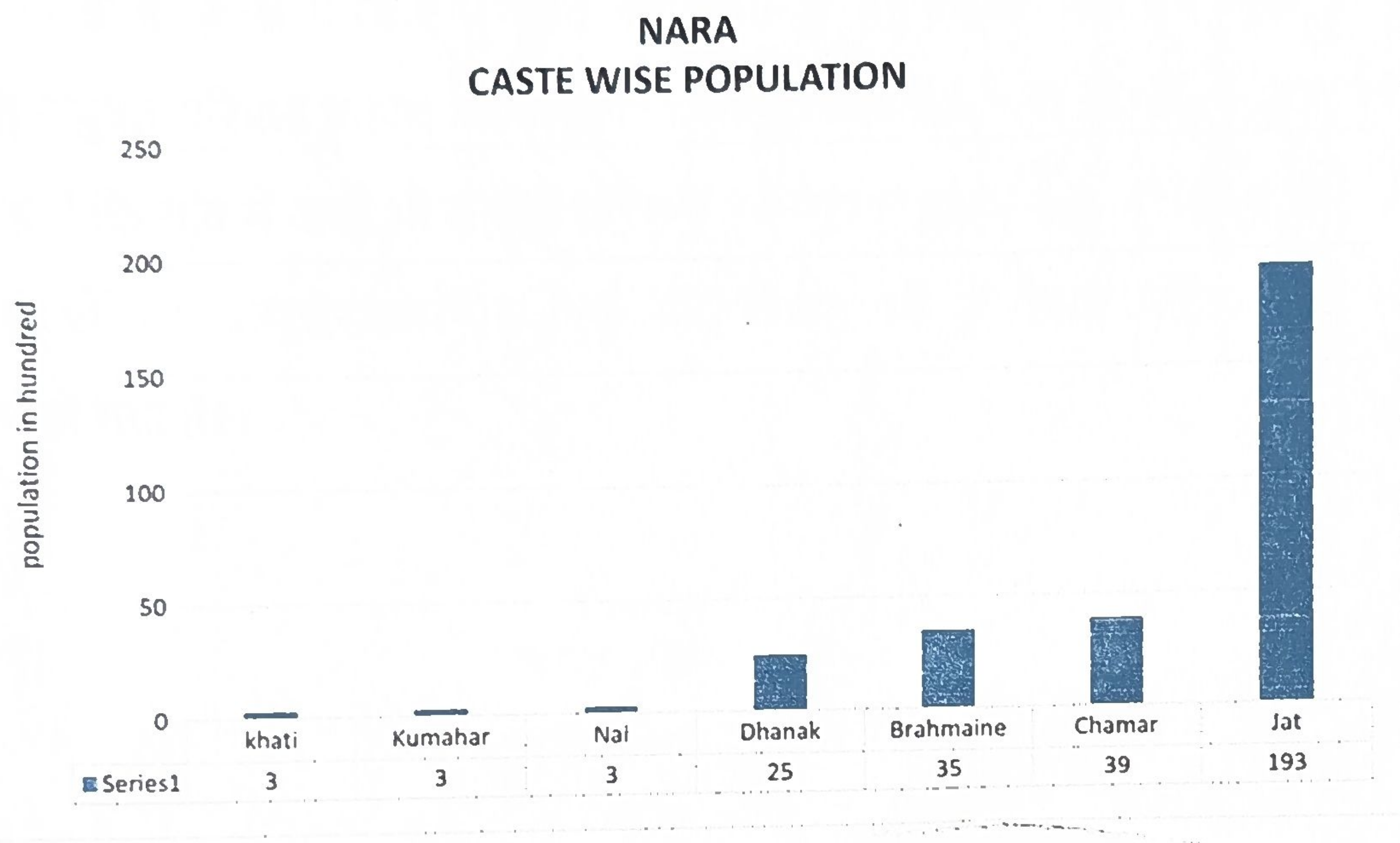

चित्र 4

परिवार की सरंचना:—

गांव में पारिवारिक संरचना कि दृष्टि से तीन प्रकार की व्यवस्था है : एकल ,संयुक्त एवं विस्तृत, हरियाणा में गांव में मुख्यत: संयुक्त परिवार पाए जाते हैं लेकिन समय के परिवर्तन के साथ-साथ अब एकल परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है, संयुक्त परिवार सामाजिक सुरक्षा संगठन में श्रम विभाजन कि दृष्टि से उचित होते हैं वहीं एकल परिवार प्रणाली विकासोन्मुख माने जाते हैं। चित्र संख्या 5 से ज्ञात होता है की एकल परिवारों की संख्या 259 (86%) और संयुक्त परिवारों की संख्या केवल 42(14%)। गांव में वर्ग के अनुसार सबसे अधिक एकल परिवार अल्पसंख्यक/पिछड़े वर्ग के चमार जाति में (38),

धानक जाति में 25, पिछड़ा वर्ग में कुम्हार और नाई जाति जिनके घरों की संख्या 3 है और तीनों के तीनों एकल परिवार में रहते हैं। सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग की श्रेणी में सबसे ज्यादा संयुक्त परिवार ब्राह्मण जाति में(11) और उसके बाद जाट जाति में (29) घर यह दर्शाता है कि गांव में अभी भी संयुक्त परिवारों की परंपरा सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग अपना रहा है, लेकिन अल्पसंख्यक/पिछड़ेवर्ग और पिछड़े वर्ग में एकल परिवारों की तरफ रुझान हो गया है।

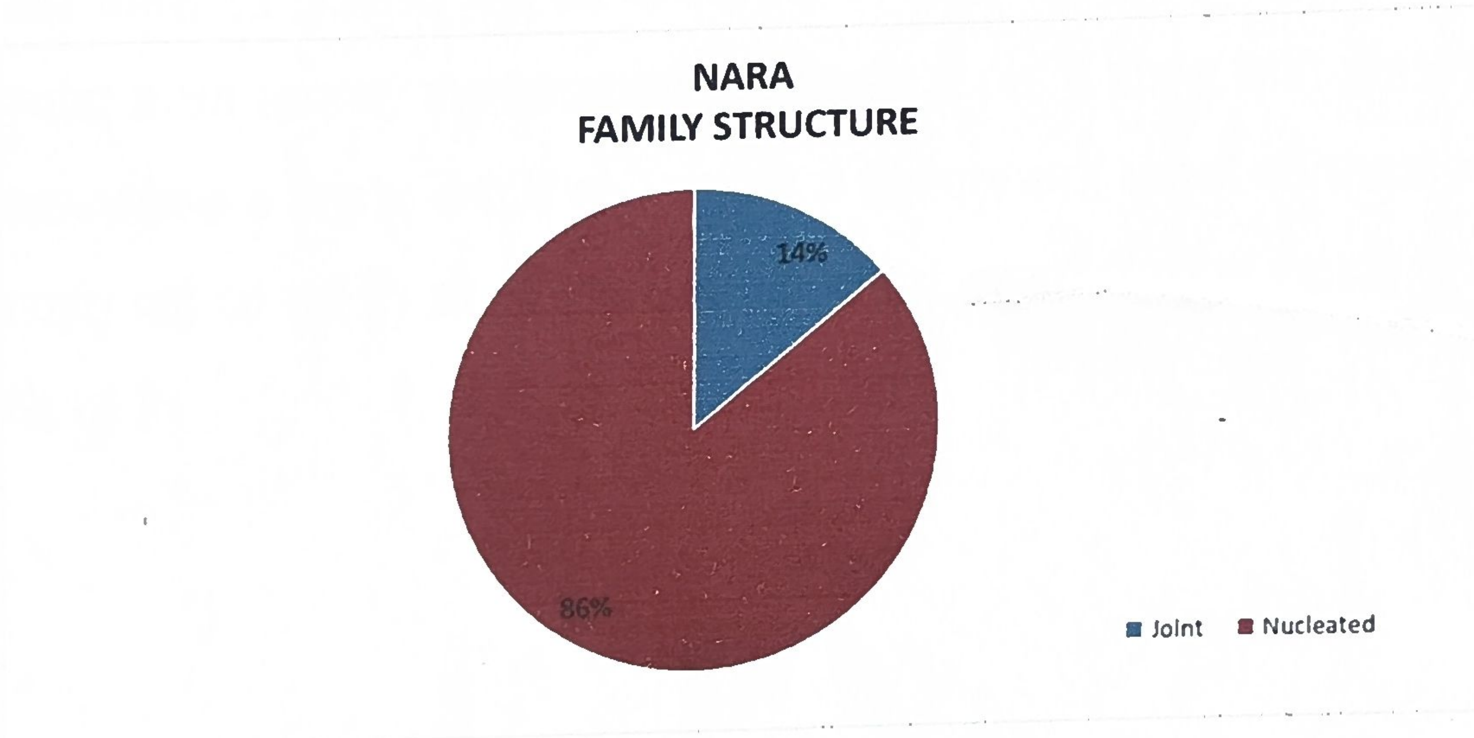

चित्र 5

राशन कार्ड:—

चित्र संख्या 6 से ज्ञात होता है कि गांव के 264 (88%) घरों ने राशन कार्ड बनवाया हुआ है जबकि 37(12%) घरों ने कोई राशन कार्ड नहीं बनवाया है। जिन घरों ने राशन कार्ड नहीं बनवाया उनमें सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी के जाट जाति के सर्वाधिक संख्या (34) है। चित्र

संख्या 7 के अनुसार 216 (81.8%)घरों में पीला ,32(12.1%)घरों ने गुलाबी एवं 16 (6.1%)घरों ने हरा राशन कार्ड बनवाया हुआ है। पीले राशन कार्ड में भी सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग कि जाट जाति में सर्वाधिक 135 व ब्राह्मण जाति में 32 कार्ड बने हुए हैं। अल्पसंख्यक/पिछड़े वर्ग और पिछड़े वर्ग कि सभी जातियों में पीले एवं गुलाबी राशन कार्डो की संख्या (69) सर्वाधिक है , इन जातियों में हरे रंग के राशन कार्ड केवल 2 पाए जाते हैं। चित्र संख्या 8 यह दर्शाता है कि 248 (82.4%) घरों का बीपीएल राशन कार्ड है और केवल 53 (17.6%) घरों का बीपीएल राशन कार्ड नहीं है। बीपीएल कार्ड में सबसे ज्यादा संख्या सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग (जाट जाति में 146 व ब्राह्मण जाति में 33) लेकिन अल्पसंख्यक व पिछड़ा श्रेणी में सभी जातियों में बीपीएल कार्ड धारकों की संख्या 90% से ज्यादा पाई जा रही है। जो यह दर्शाता है कि गांव में हर वर्ग में गरीबी रेखा से लोग नीचे जी रहे हैं।

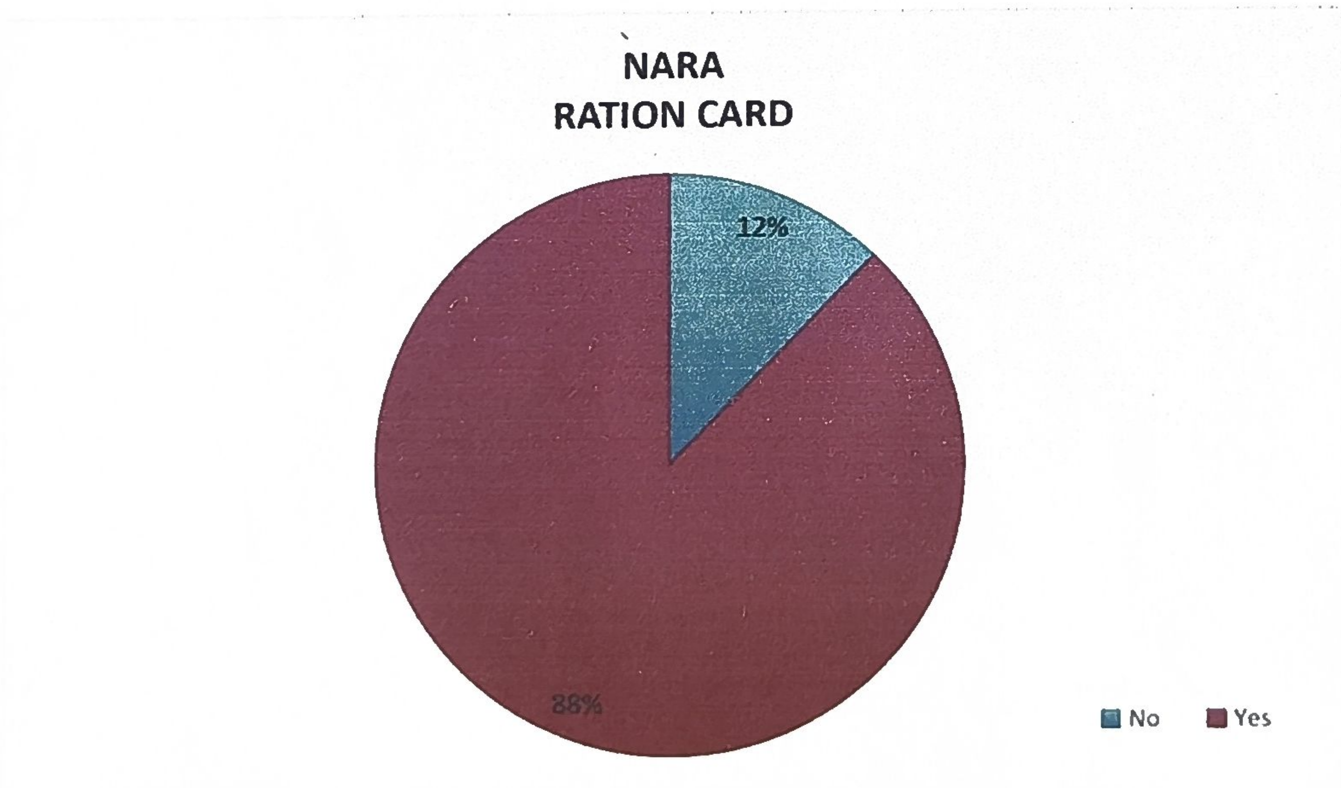

चित्र 6

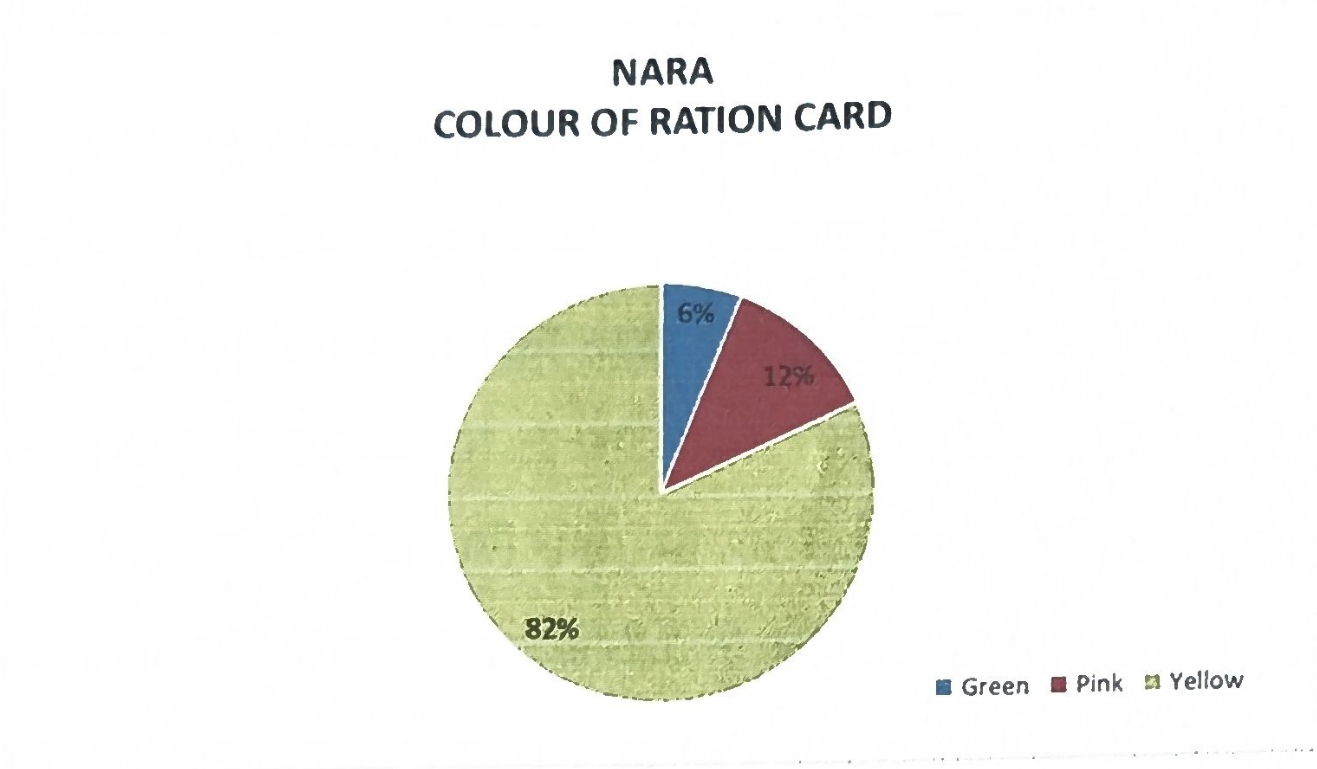
NARA
COLOUR OF RATION CARD
6%
12%
82%
Green
Pink
Yellow

चित्र 7

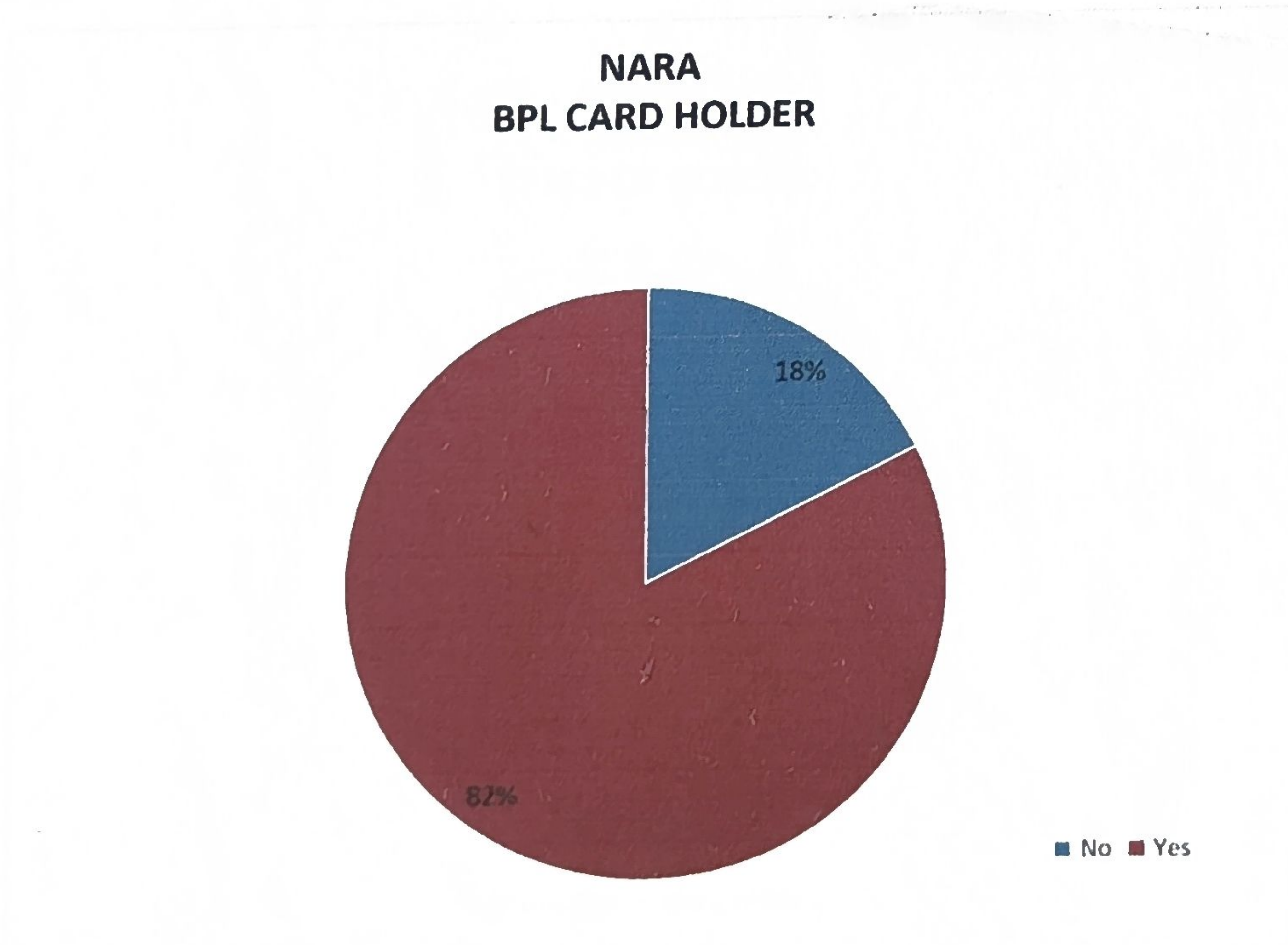
NARA
BPL CARD HOLDER
18%
82%
No
Yes

चित्र 8

घरों के प्रकार :—

अप्रैल 2025 के अनुसार नारा गांव में कुल 602 मकान है लेकिन हमने 301 घरों का सर्वे किया, चित्र संख्या 9,10 के अनुसार कच्चे घरों की संख्या 10 (3.3%)अर्ध पक्के घरों की संख्या 103(34.2%)और पक्के घरों की संख्या 188 (62.5%) है। सबसे ज्यादा पक्के घरों की संख्या सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग की जाट जाति (153) एवं ब्राह्मण जाति (24) में पाए जाते हैं। कच्चे एवं अर्ध कच्चे घरों की संख्या भी जाट जाति (40)में सर्वाधिक पाई जाती है लेकिन जब प्रतिशत के हिसाब से बात आती है तो अल्पसंख्यक/पिछड़े(चमार जाति में 39 में से 35 घर, धानक जाति में 25 में से 22 घर) में 90% से ज्यादा ऐसे घरों की संख्या है।

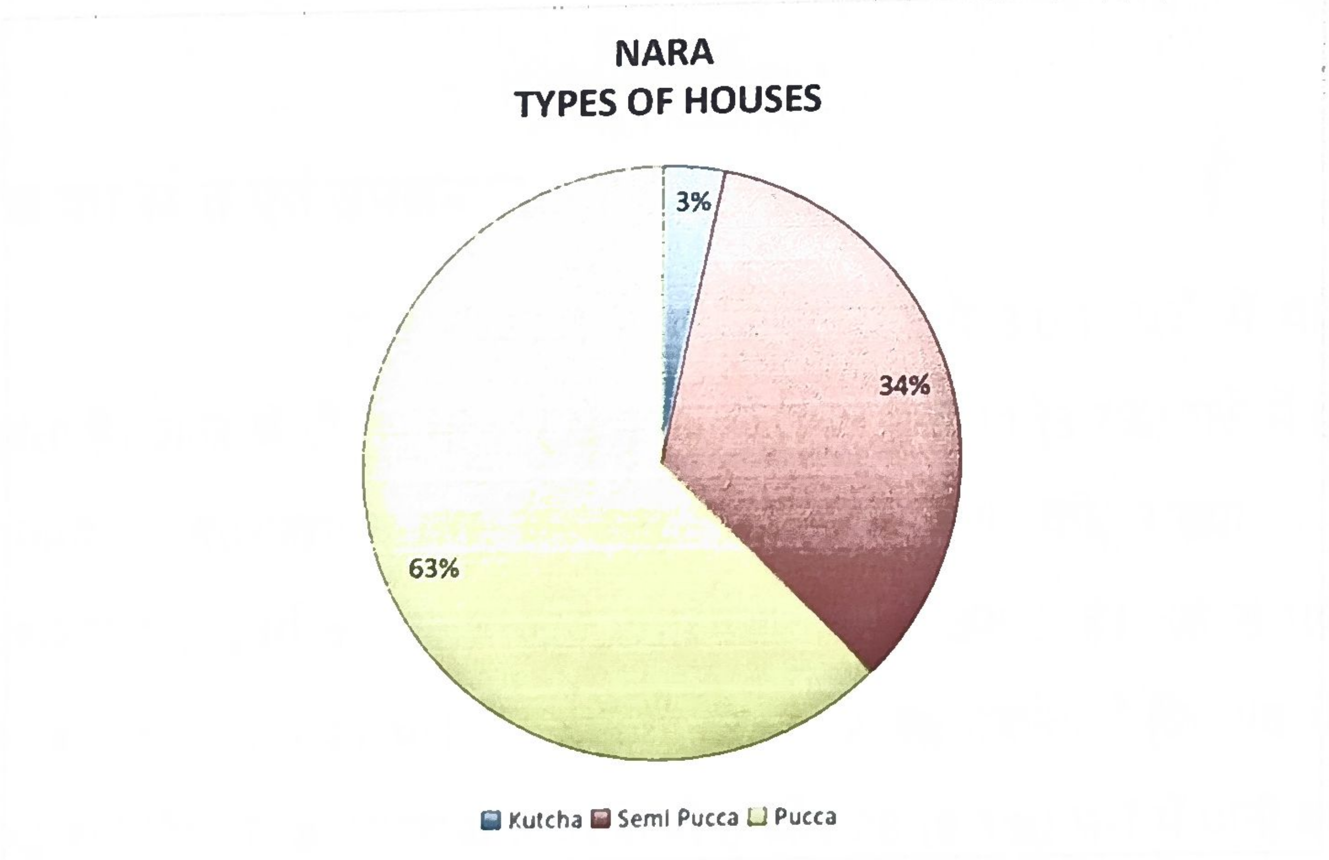

चित्र 9

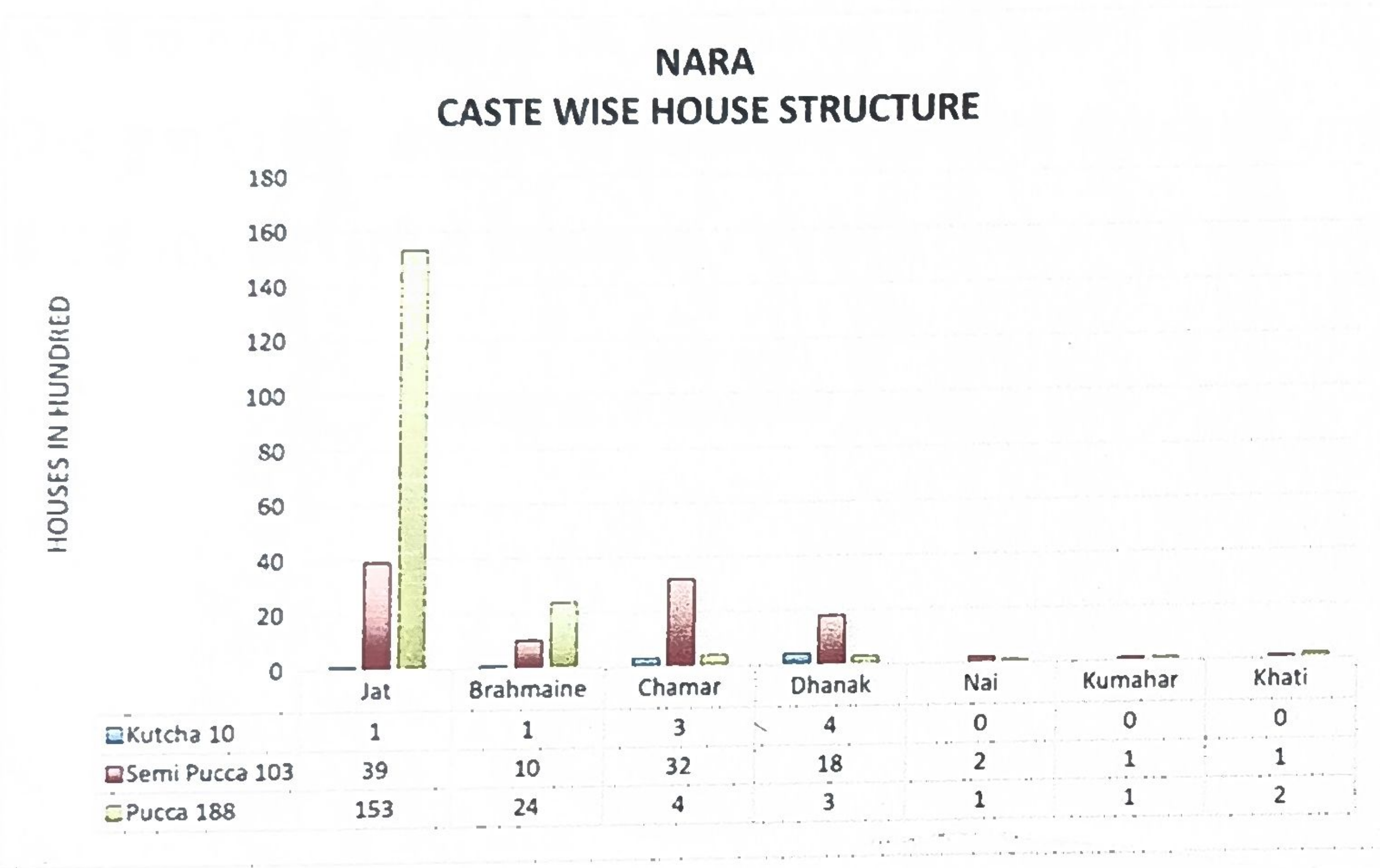

चित्र 10

पेयजल का स्रोत एवं उपलब्धताः—

चित्र संख्या 11 के अनुसार सभी 301 घरों में पानी की उपलब्धता है। आज के दौर में भी कुएं से पानी की उपलब्धता 11 (3.7%) घरों में है, जिन में सामान्य/ बहुसंख्यक वर्ग के जाट जाति के घरों की संख्या 7 एवं अल्पसंख्यक/पिछड़ेवर्ग के धानक और चमार जाति की संख्या 2 है। नल से पानी की उपलब्धता 290 (96.3%) घरों में है। चित्र संख्या 12 यह दर्शाता है कि गांव में 273 (90.7%) घरों में पानी की उपलब्धता घर में ही है और 28 (9.3%) घरों में पानी बाहर से लाना पड़ता है। 10 घरों में कुएं से पानी और 18 घरों में बाहर के नल से पानी भरना

पड़ता है। 18 के 18 घर सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी (जाट 16 ब्राह्मण 2) में से आते हैं। 273 घरों ने पानी की उपलब्धता के लिए किसी भी प्रकार की सरकारी स्कीम का उपयोग नहीं किया हुआ है। चित्र संख्या 14 या दर्शाता है की 28 घरों में जो पानी की उपलब्धता नहीं है उन्हें 100 मीटर दूरी से लेकर 1000 मीटर की दूरी तक से पानी लाना पड़ता है।

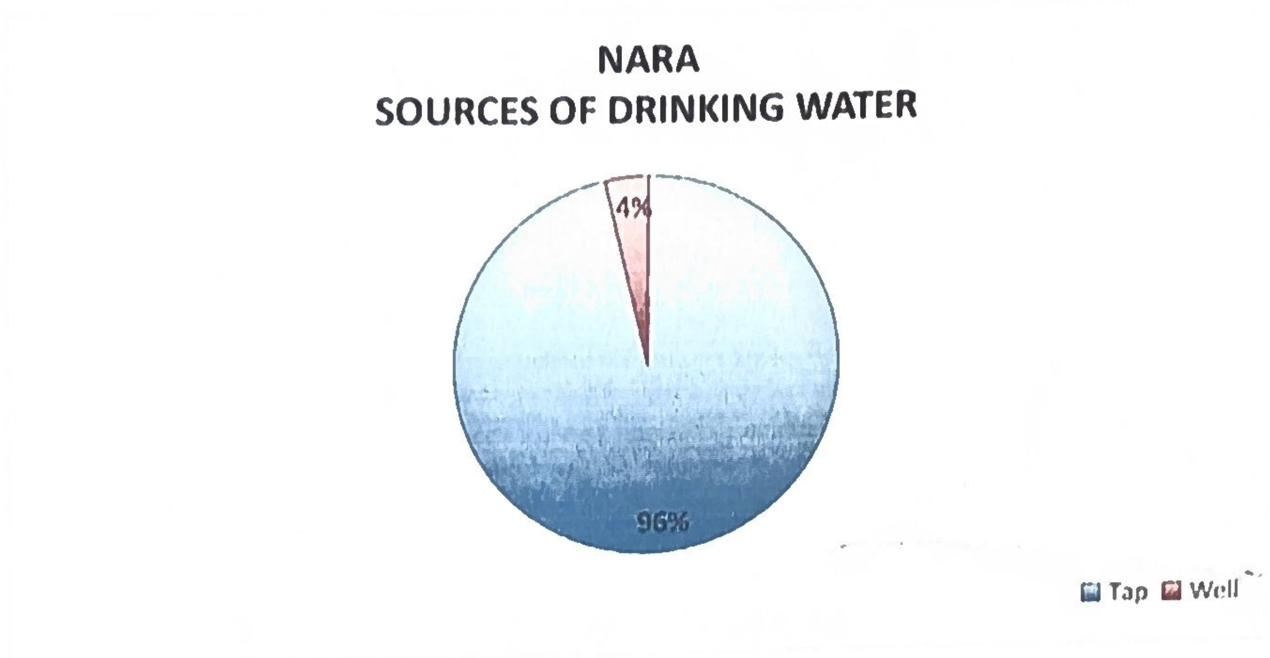

चित्र 11

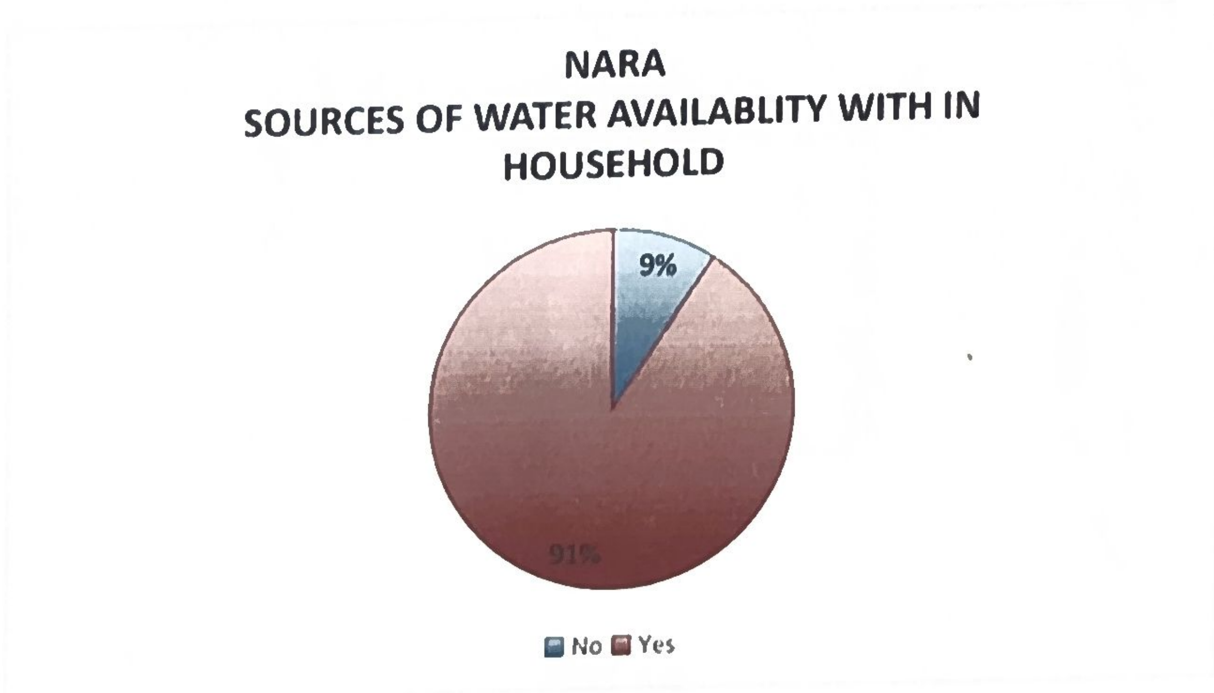

चित्र 12

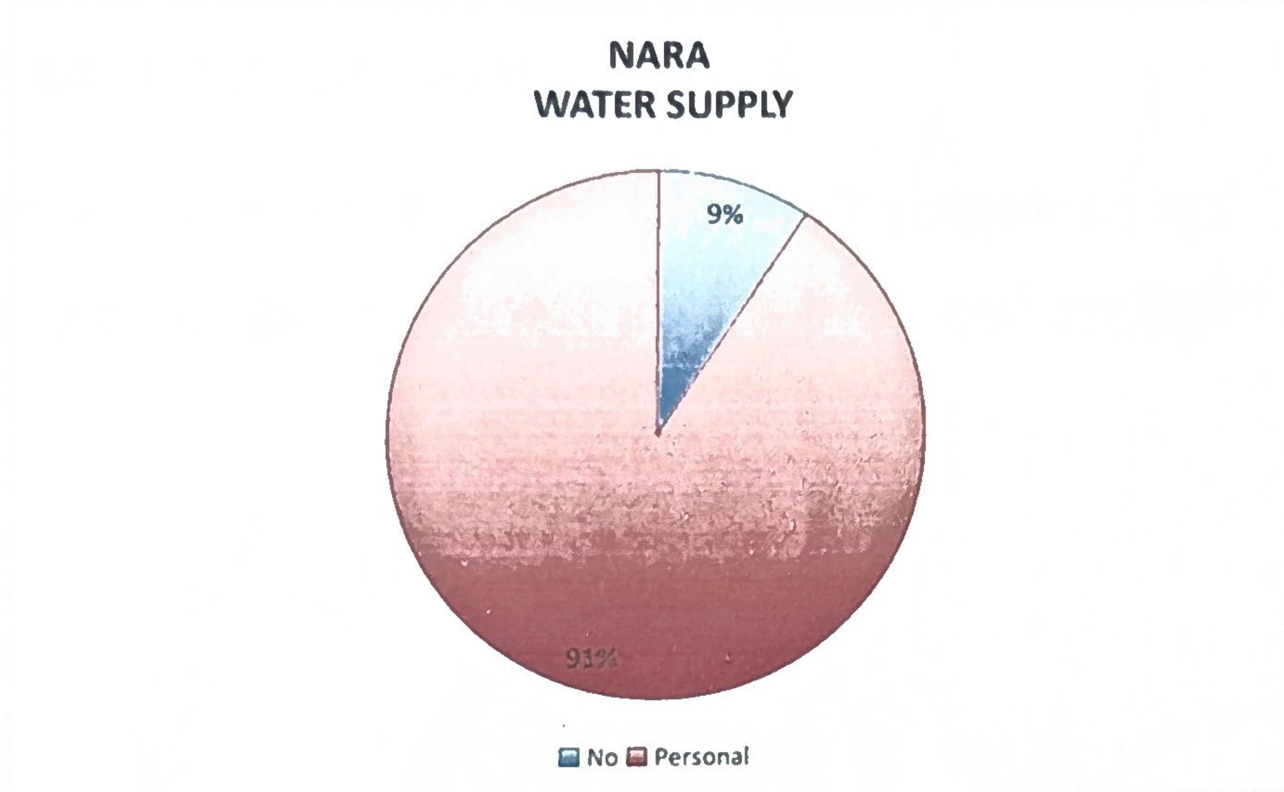
NARA
WATER SUPPLY
9%
91%
No
Personal

चित्र 13

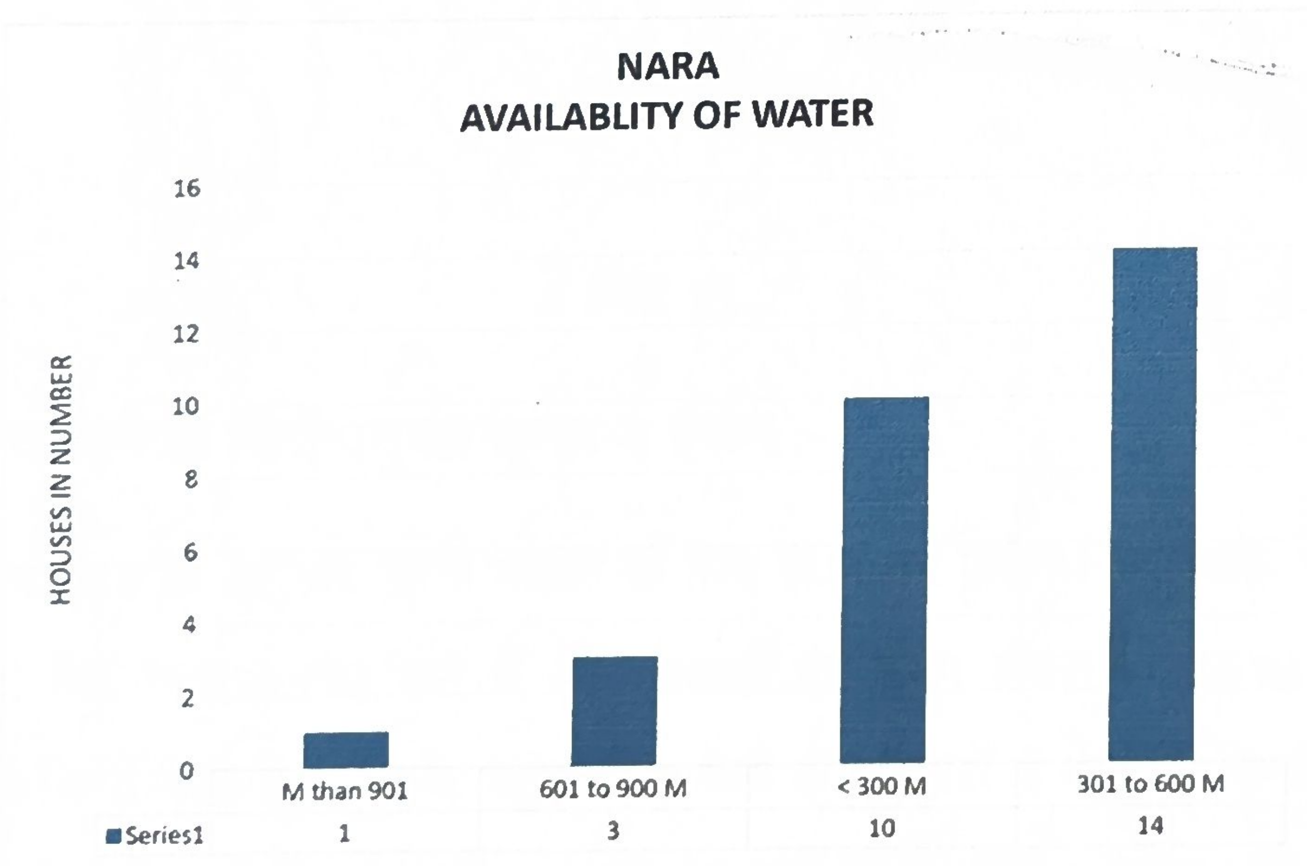
NARA
AVAILABLITY OF WATER
HOUSES IN NUMBER
16
14
12
10
8
6
4
2
0
M than 901
601 to 900 M
< 300 M
301 to 600 M
Series1
1
3
10
14

चित्र 14

बिजली का स्रोत एवं उपलब्धता :—

चित्र संख्या 15 के अनुसार सभी 301 घरों में बिजली की उपलब्धता पाई जाती है और इसका स्त्रोत सरकार द्वारा संचालित पावर हाउस से ही बिजली की आपूर्ति होती है।

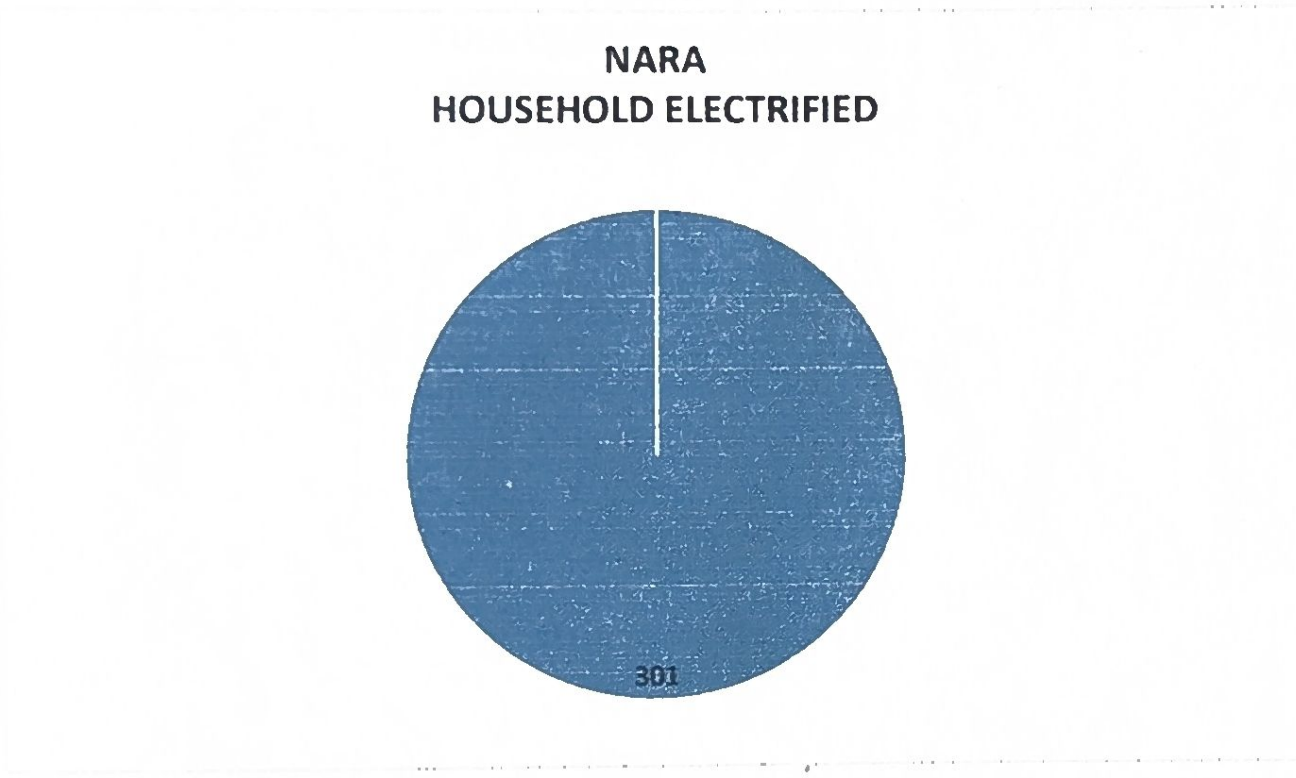

चित्र 15

खाना पकाने के लिए प्रयुक्त चूल्हा व ईंधन :-

चित्र संख्या 16 के अनुसार खाना पकाने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है उसमें एलपीजी गैस 297(98.7%) घरों में और लकड़ी का ईंधन केवल 4 (1.3%) घरों में इस्तेमाल किया जाता है, सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी के परिवारों में आते हैं। किसी भी घर ने सरकारी स्कीम की सहायता की बात स्वीकार नहीं की है। चित्र संख्या 14 के अनुसार आज भी गांव में सर्वाधिक संख्या खुले में 279 (92.7%) खाना बनाने की परंपरा है जबकि 95% घरों में एलपीजी गैस सिलेंडर मौजूद है। 6 (2%) घरों में चिमनी की व्यवस्था के साथ

है और 16 (5.3%) घरों में दोनों प्रकार के चूल्हे उपलब्ध हैं। ये 16 के 16 घर सामान्य/बहुसंख्यक श्रेणी के ही पाए जाते हैं।

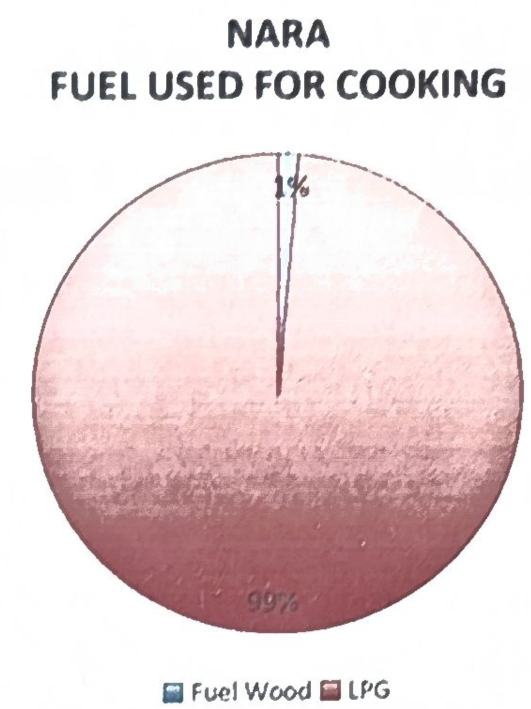

चित्र 15

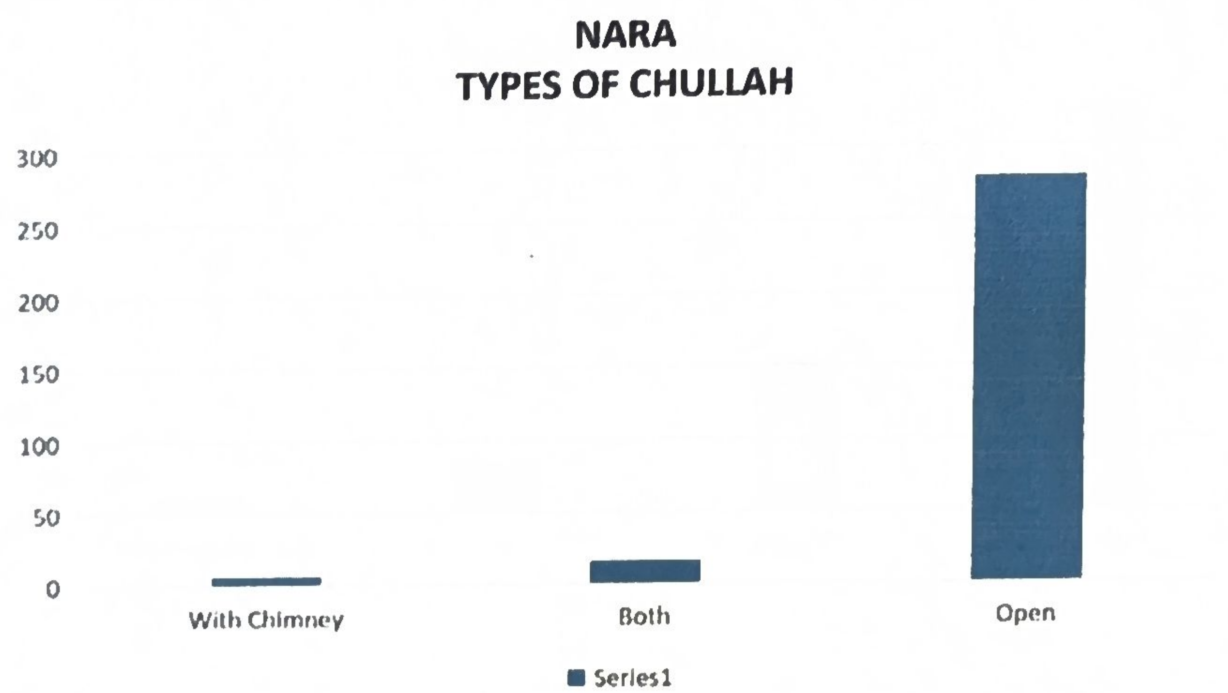

चित्र 16

परिवहन के साधन :-

चित्र संख्या 17 यह दर्शाता है वर्तमान समय में भी गांव में 7 (2.3%) ऐसे घर पाए जाते हैं जहाँ आज भी परिवहन का साधन बैलगाड़ी है और वे सभी घर सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। 24 (8%) घरों में परिवहन का साधन कार का पाया जाना यह दर्शाता है कि इन घरों की आर्थिक स्थिति अच्छी है और ये सभी घर सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। 74 (24.6%) घरों में परिवहन का साधन साइकिल यह दर्शाता है कि गांव में इन घरों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है ,196 (65%) घरों में परिवहन का साधन स्कूटर या मोटरसाइकिल यह दर्शाता है कि मध्यम श्रेणी के परिवार भी यहां पर पाए जाते हैं।

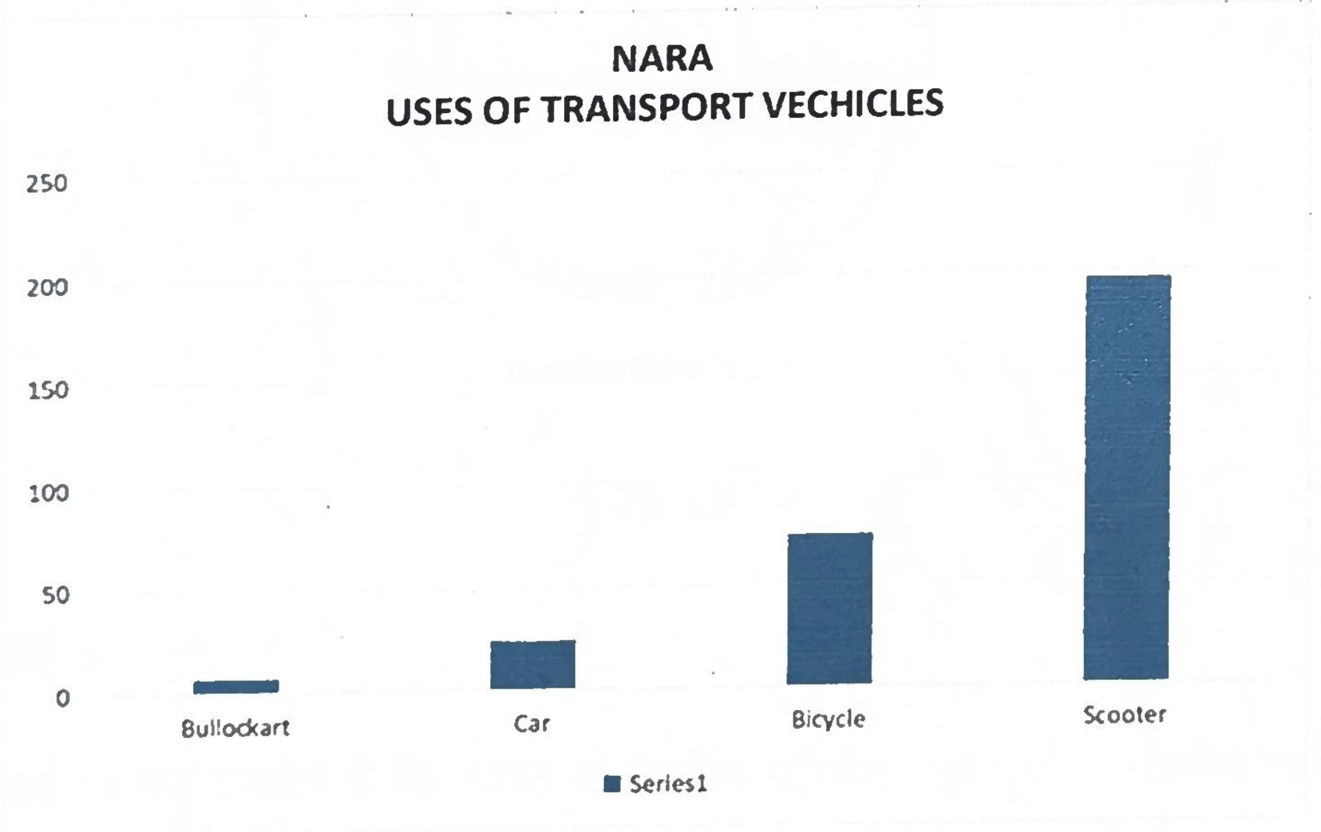

चित्र 17

संचार के साधन :-

चित्र संख्या 18 यह दर्शाता है कि गांव में 301 घरों में से 298 घरों के पास संचार के साधनों में मोबाइल का सर्वाधिक इस्तेमाल किया जाता है और 3 घरों में इंटरनेट के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान किया जाता है । जो यह दर्शाता है कि मोबाइल क्रांति गांव - गांव तक फैल चुकी है।

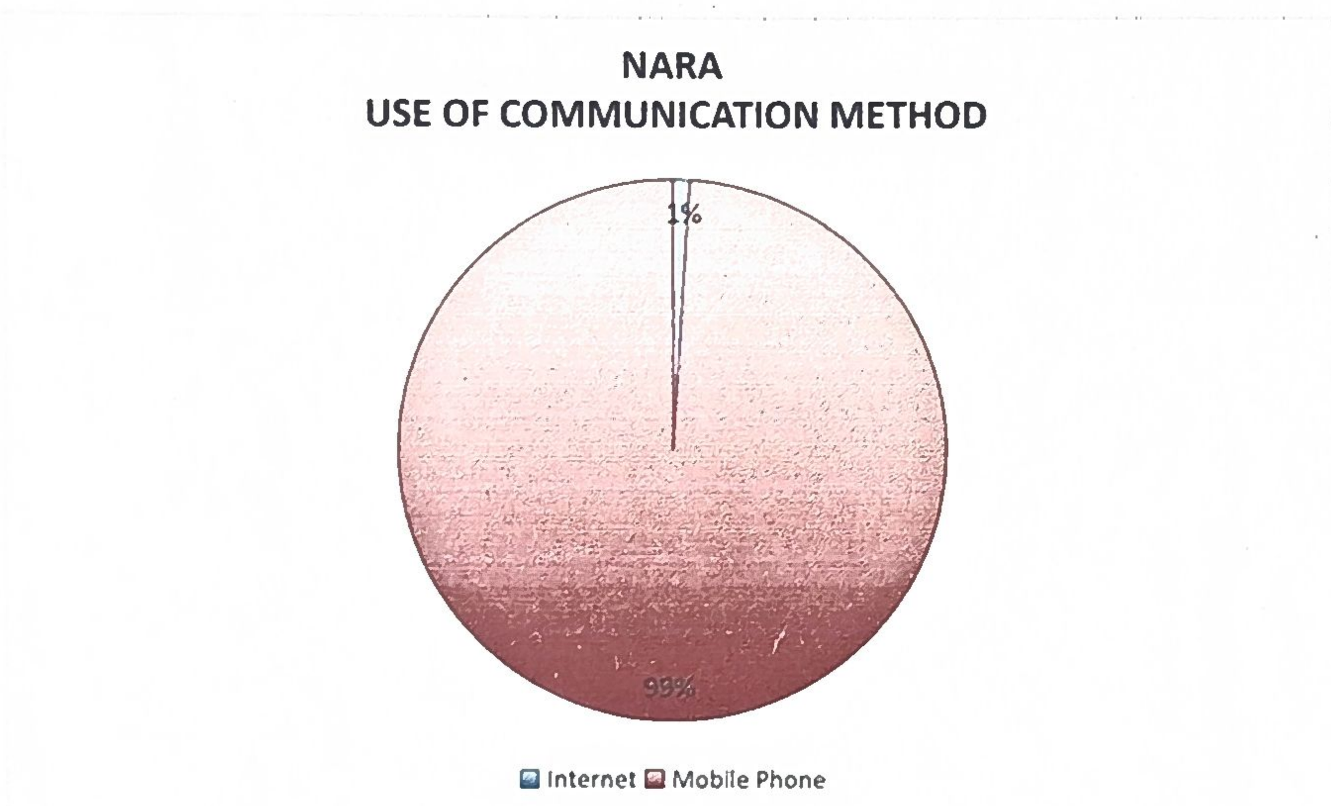

चित्र 18

सुविधाएं :-

चित्र संख्य 19 यह दर्शाता है कि भारत के ग्रामीण परिवेश अब पूर्णता: ग्रामीण नहीं रहे हैं उनमें भी शहरो की तरह आधुनिकता का आगाज हो चुका है। जिसके परिणाम स्वरूप मशीनों ने ग्रामीणों के घरों में भी जगह बना ली है। दूरसंचार माध्यम के रूप में मनोरंजन

का साधन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं यह सबसे ज्यादा 194 (64.5%) घरों में पाया जाता है। उसके बाद 66 (21.9%) घरों में फ्रिज पाया जाता है जिससे वस्तुओं को ज्यादा समय तक ठंडा व ताजा रखा जा सकता है। तीसरे नंबर पर कपड़े धोने की मशीन 38 (12.6%) घरों में पाई गई, जो यह दर्शाता है कि गांव में अब आधुनिकता प्रवेश कर गई है। केवल 3(1%) घरों में ही इनके अतिरिक्त और सुविधाएं जैसे कंप्यूटर, लैपटॉप इत्यादि पाई गई। फ्रिज ही एक ऐसा उपकरण है जो सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी के ही परिवारों में पाया गया, इसके अतिरिक्त टेलीविजन व कपड़े धोने की मशीन हर जाति में पाई गई।

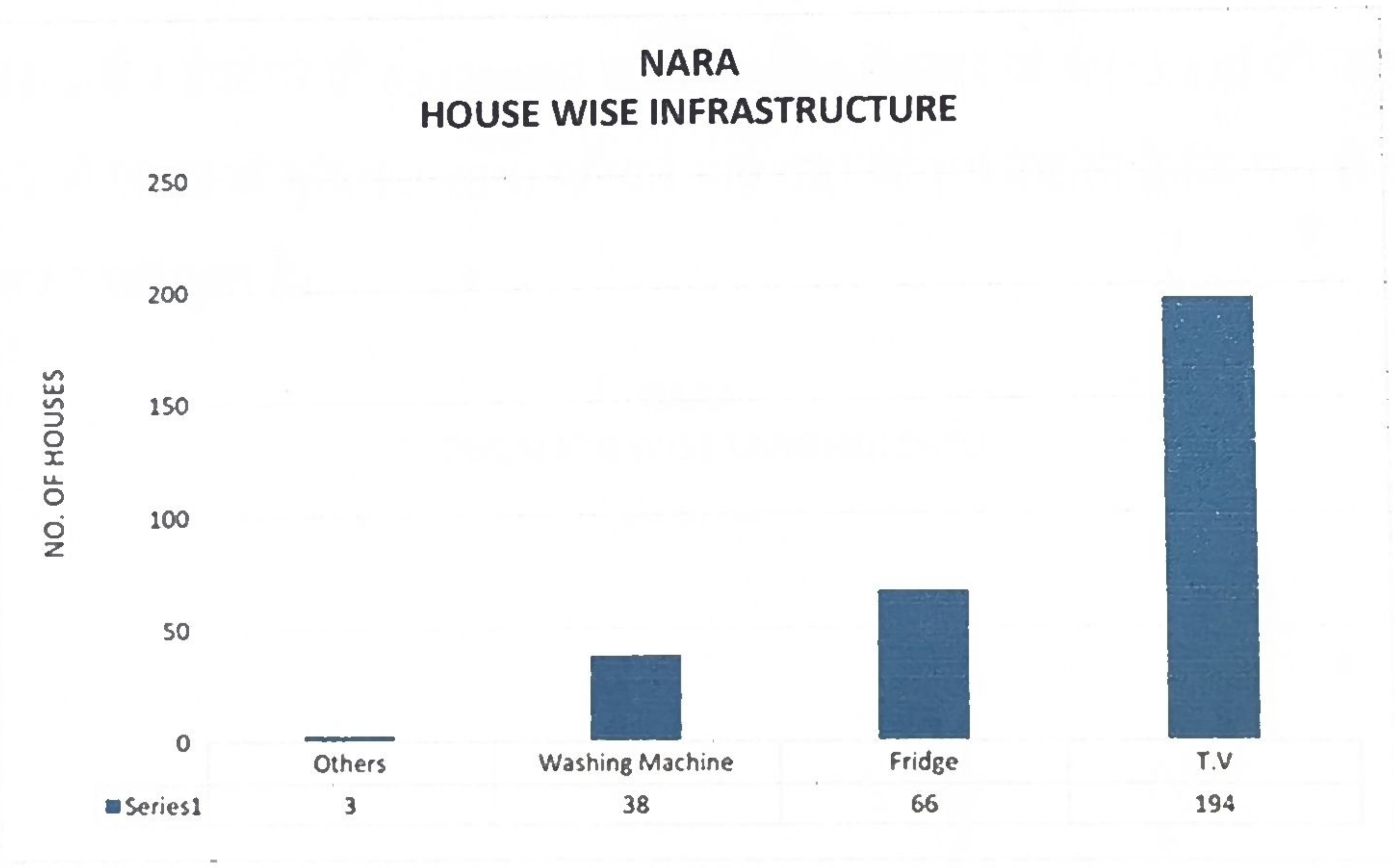

चित्र 19

भू स्वामित्व :-

चित्र संख्या 20 यह दर्शाता है कि गांव में 222 (76%) घरों में भू स्वामित्व पाया गया और 79 (26%) घरों में भू स्वामित्व का अभाव है , इनमें सबसे ज्यादा घर अल्पसंख्यक/पिछड़ेजाति में (चमार 36 ,धानक 20) पिछड़े वर्ग में (कुम्हार और नाई के 3 घर व खाती के 2 घर) सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी में (जाट 13 और ब्राह्मण 2) घर पाए गए।अल्पसंख्यक/पिछड़ेजाति में (चमारों के 3 घरों में, धानकों के 5 घरों में) और पिछड़ी जाति के कुम्हार के 1 घर में कृषि भूमि का मालिकाना हक पाया गया। चित्र संख्या 21 यह दर्शाता है कि 222 घरों में भू स्वामित्व पाया गया जिसमें 2 हेक्टेयर से कम 69 (22.9%) परिवार, 2 से 4 हैक्टेयर के 89 (29.6%) परिवार 4 से 6 हेक्टेयर के 40(13.3%) परिवार व 6 हेक्टेयर से ज्यादा के केवल 24(8%) परिवार पाए गए। जो यह दर्शाता है कि गांव में जोतों का आकर घट चुका है।

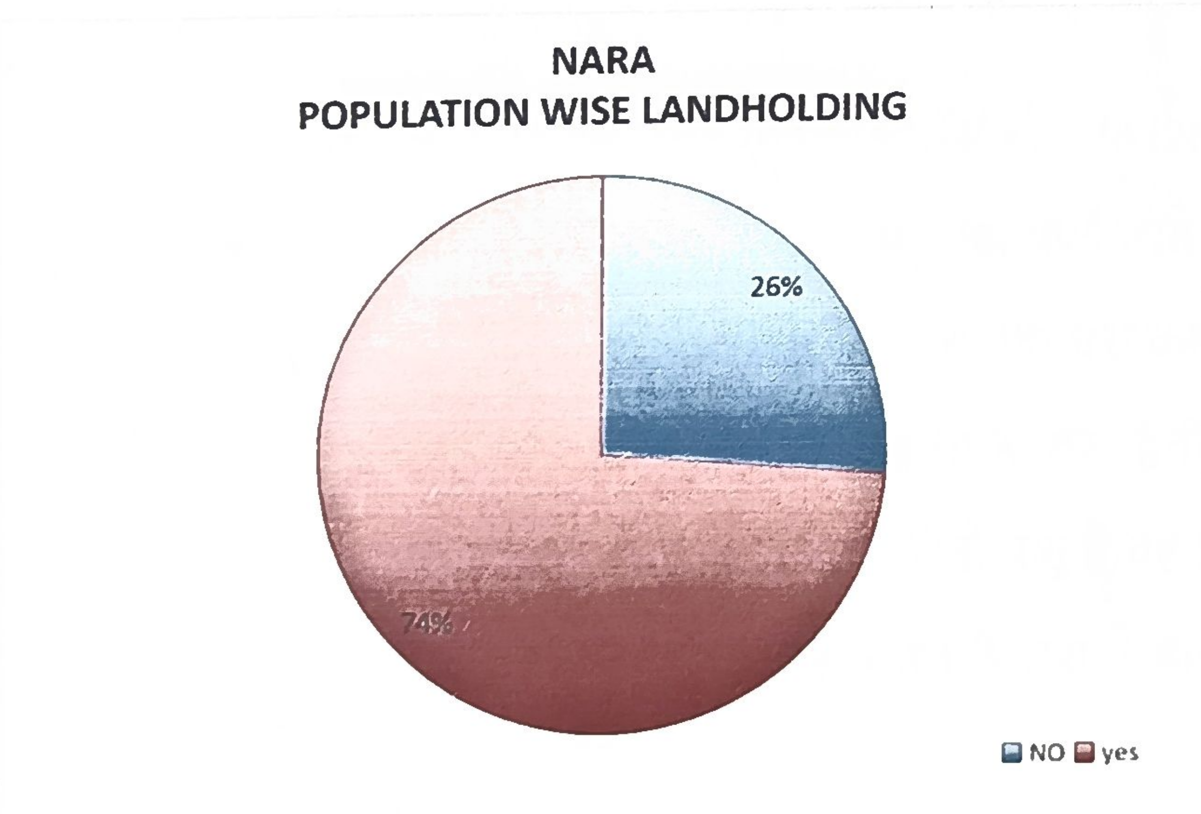

चित्र 20

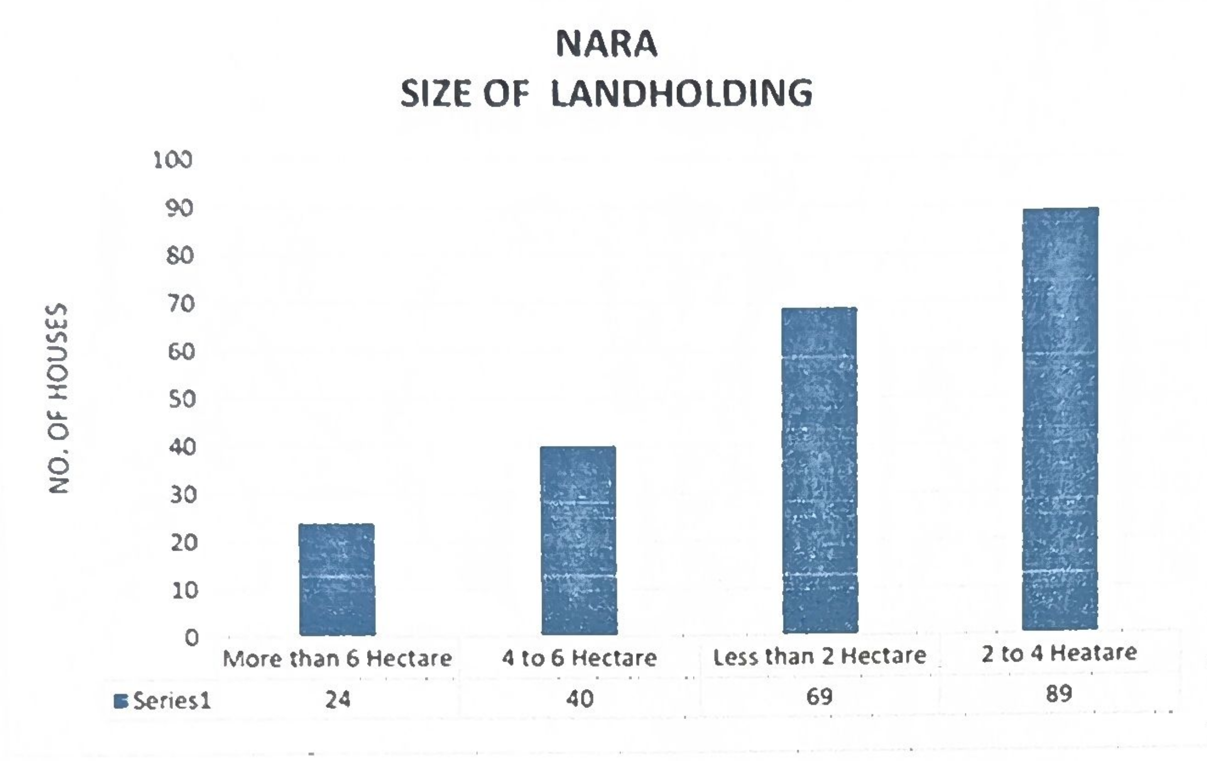

चित्र 21

पशुधन :-

चित्र संख्या 22 यह दर्शाता है कि 223 (74%) घरों में पशु रखे जाते हैं और 78 (26%) ऐसे घर हैं जहां पर पशुओं को नहीं पाला जाता है। जिन 78 घरों में पशु नहीं पाले जाते वे सभी घर हर जातियों के अंतर्गत पाए जाते हैं लेकिन जाट जाति (28) में सर्वाधिक घरों का पाया जाना यह दर्शाता है की ग्रामीण परिवेश में आय का साधन पशुधन ना होकर द्वितीय व तृतीय क्रियाएं हो गया है।चित्र संख्या 23 या दर्शाता है कि 223 घरों में जो पशु है वह निम्नलिखित प्रकार से हैं। सर्वाधिक परिवार भैंसों 190 (63%) को पालते है उसके बाद गायों 23

(7.6%) ,3 (1%) घरों में बकरियां भी पाली जाती है। 7(2.3%) घर ऐसे हैं जिनमें घोड़े व मुर्गे भी पाले जाते हैं। बकरी पालने वाले घर अल्पसंख्यक/ पिछड़ेजाति से संबंधित हैं।

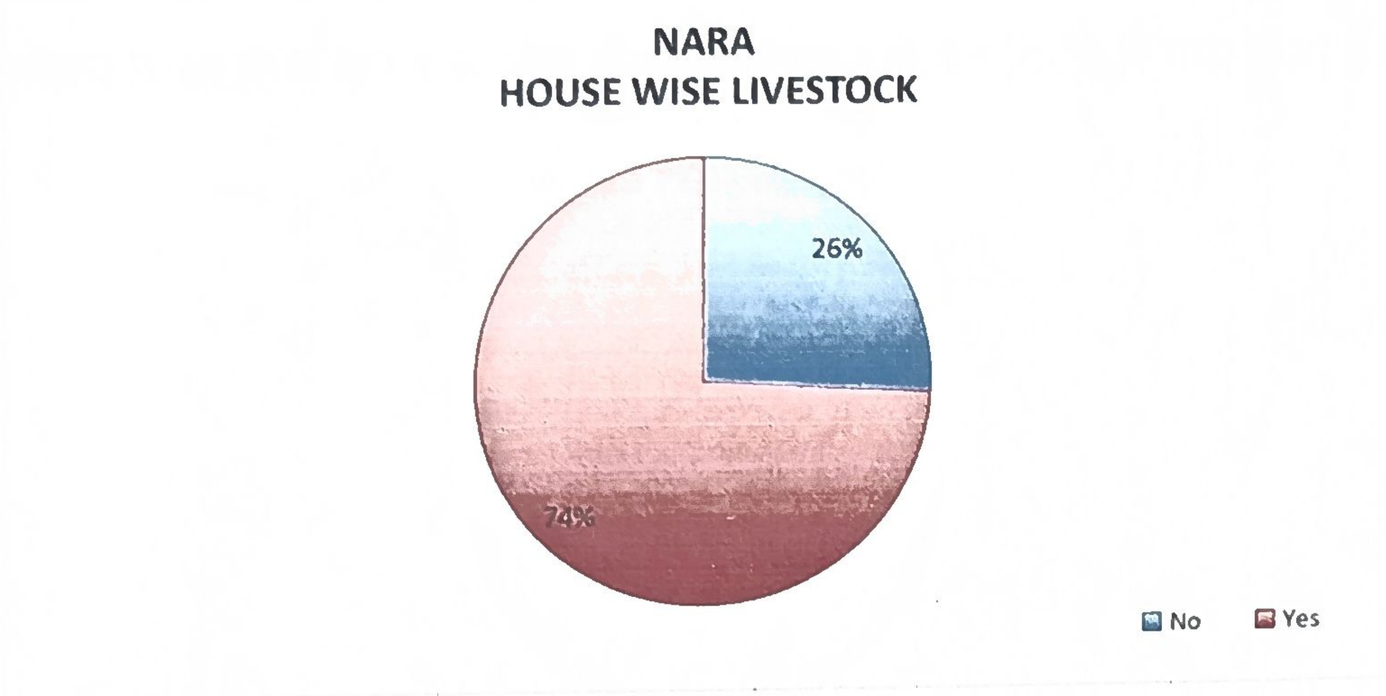

चित्र 22

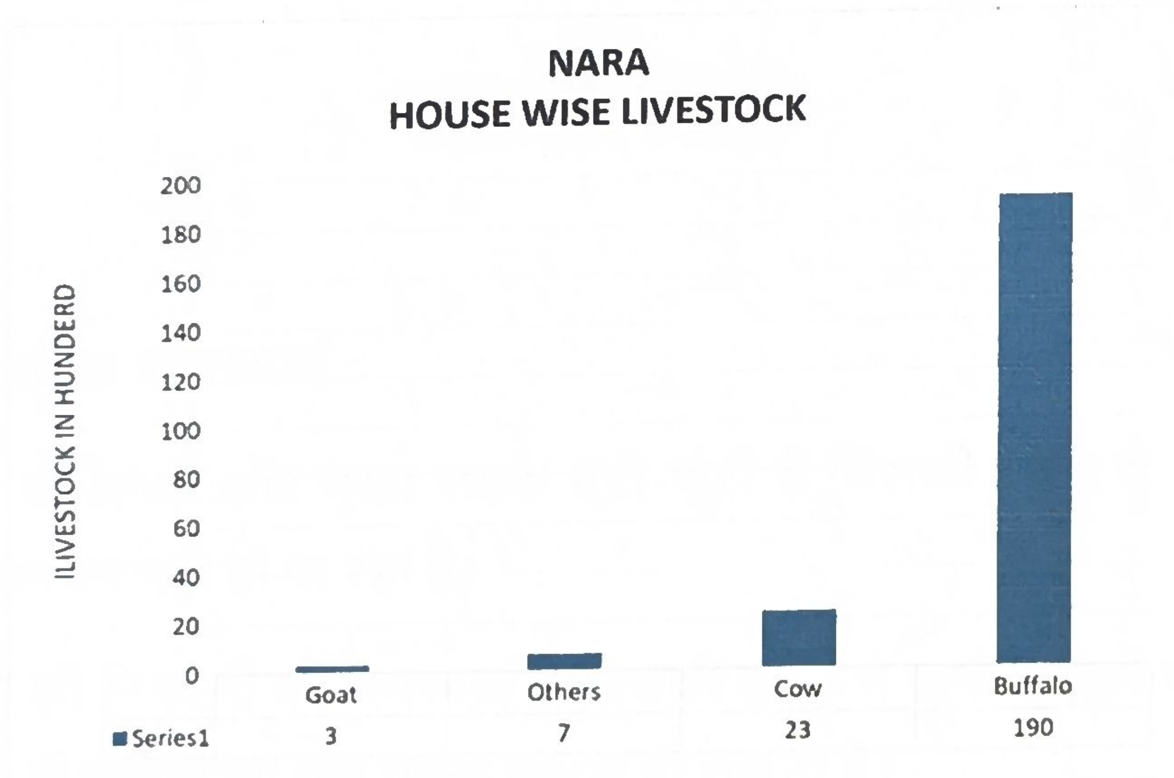

चित्र 23

उत्प्रवास :-

चित्र संख्या 24 यह दर्शाता है कि गांव में 301 परिवारों में से केवल एक ही परिवार का 1 युवा सदस्य शिक्षा प्राप्त करने के लिए वीजा के माध्यम से ग्रेट ब्रिटेन में गया हुआ है।

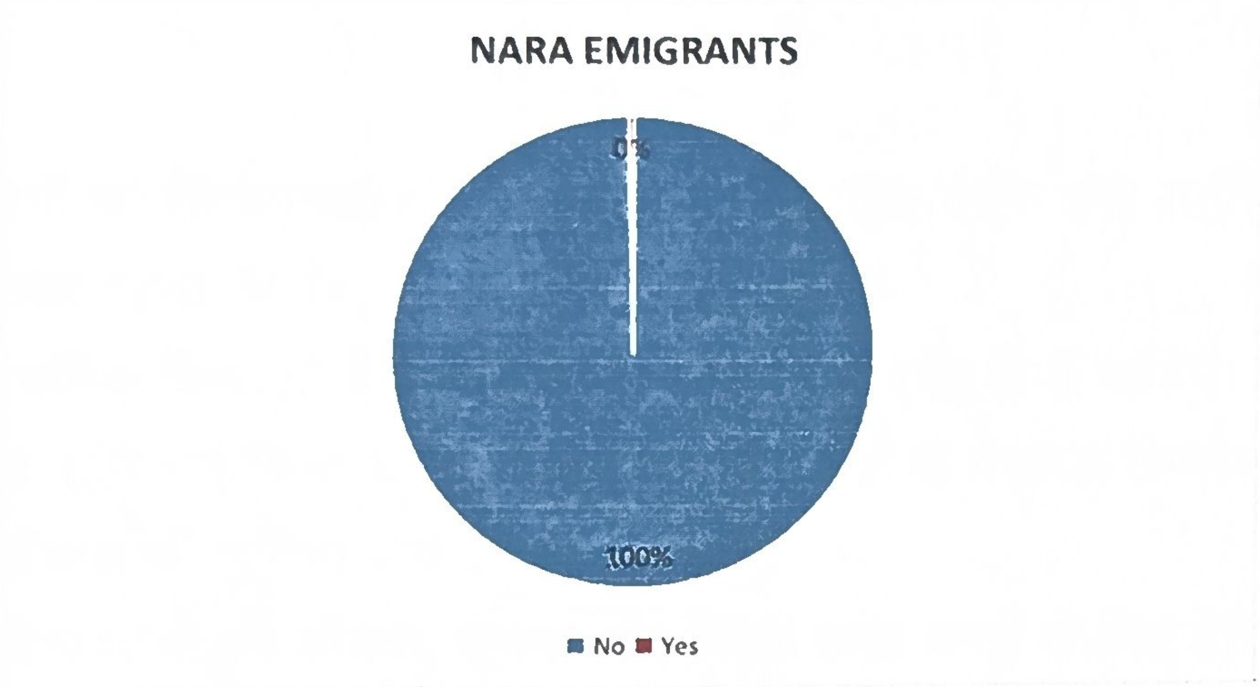

चित्र 24

गांव की प्रमुख समस्याएं :-

1. **गांव की कच्ची और मुख्य सड़के टूटी-फूटी हैं जिसकी वजह से आसानी से आवागमन नहीं हो पा रहा है।**
2. **पानी की निकासी की समस्याएं हैं जिसकी वजह से पानी सड़कों पर उपलब्ध है जो बीमारियों का एक प्रमुख कारण हो सकता है।**
3. **पानी के पीने की समस्याएं प्रमुख रूप से हैं।**

4. गांव में कोई भी कंप्यूटर सेंटर नहीं है जिसकी वजह से ऑनलाइन की सुविधा से वंचित है गांव वाले।

5. चिकित्सा सुविधाओं का नितांत अभाव है।

सुझाव :

1. लोगों को लिंगानुपात की जानकारी होनी चाहिए ताकि इसे राष्ट्रीय स्तर के बराबर पहुंचा सके।
2. प्राथमिक क्रियाओं जैसे कृषि सब्जी उत्पादन में वृद्धि होनी चाहिए।
3. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जिन घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं है उन्हें जल की सुविधा प्राप्त हो ।
4. सभी जातियों को कौशल, सूचना और शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
5. जिन जातियों की प्रति व्यक्ति आय कम है उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार को रोजगार प्रदान करवाना चाहिए।

निष्कर्ष :

1. नारा गांव में कुल 602 घर है जिनमें से 301 घरों का सर्वे किया गया। गांव में सभी परिवार केवल हिंदू धर्म से संबंध रखते हैं।
2. सर्वेक्षण करने के बाद हमारा निष्कर्ष निकला की नारा गांव में 1413 व्यक्ति हैं जिनमें 755 (53.43 %) पुरुष है एवं 658 (46.56%) महिलाएं हैं।

3. गांव में सबसे ज्यादा घर सामान्य/ बहुसंख्यक श्रेणी के जाट जाति (193) में पाए जाते हैं और सबसे कम पिछड़ा वर्ग के खाति, कुम्हार और नाई (3-3 प्रत्येक) जातियों में पाए जाते हैं।
4. गांव में 86 % परिवार एकल व 14% संयुक्त है।
5. गांव के बीपीएल कार्डो की अत्याधिक संख्या देखते हुए यह प्रतीत होता है की गांव की जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है, जिसमें हर वर्ग के लोग शामिल है।
6. गांव में लगभग उच्च जातियों के घर पक्के व अल्पसंख्यक/पिछड़ेजातियों के लोगों के घर अर्धपक्के व कच्चे हैं।
7. गांव में लगभग सभी घरों में पीने के पानी की व्यवस्था है।
8. गांव में लगभग सभी घरों में बिजली की व्यवस्था है जिसका स्रोत पावर हाउस है।
9. गांव में लगभग सभी घरों में एलपीजी की व्यवस्था है साथ ही साथ लोग खुले चूल्हे का भी इस्तेमाल करते हैं।
10. गांव में संचार की सुविधाओं में मोबाइल सबसे प्रमुख संचार सुविधाएं हैं।
11. गांव में लगभग सभी घरों में वाशिंग मशीन, फ्रिज व टेलीविजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।
12. गांव में भूस्वामित्व केवल प्रभावशाली जातियों (जाट व ब्राह्मण जातियों) में ही देखा गया।
13. गांव में सभी प्रभावशाली व पिछड़ी जातियों में पशुपालन पाया गया।
14. गांव में इस समय उत्प्रवास जैसी कोई समस्या दिखाई नहीं दे रही है।

GPS Map Camera
Nada, Haryana, India
85q2+qch, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.339583° Long 76.150747°
01/04/2025 05:20 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Nada, Haryana, India
85q2+qch, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.339282° Long 76.150726°
01/04/2025 04:50 PM GMT +05:30
Google

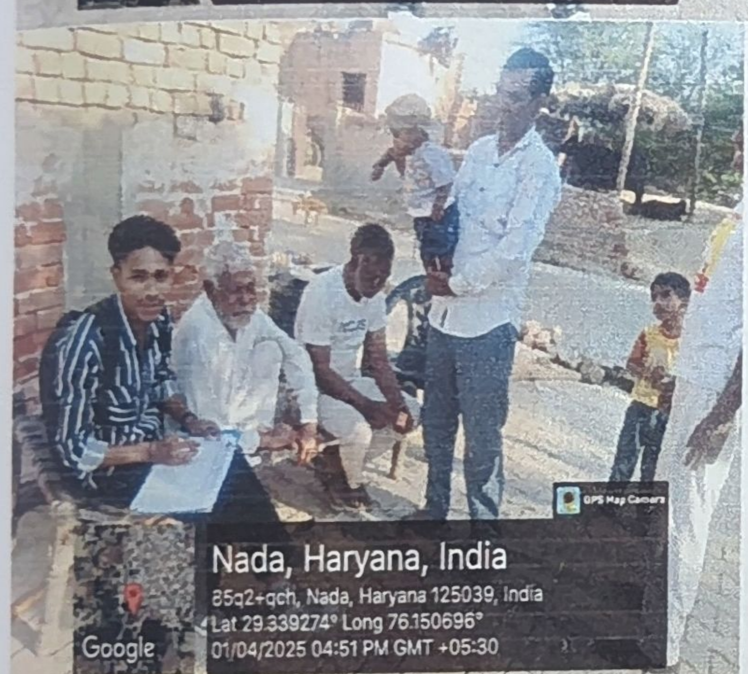
GPS Map Camera
Nada, Haryana, India
85q2+qch, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.339274° Long 76.150696°
01/04/2025 04:51 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Nada, Haryana, India
85q2+mr6, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.339189° Long 76.151906°
01/04/2025 04:04 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Nada, Haryana, India
85q2+w4j, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.339757° Long 76.150698°
01/04/2025 05:18 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Nara, Haryana, India
65r3+7r8, Nara, Haryana 125039, India
Lat 29.340496° Long 76.154824°
01/04/2025 10:48 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Google
Nada, Haryana, India
85r3+58m, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.34053° Long 76.153114°
01/04/2025 12:13 PM GMT +05:30

Google

Nada, Haryana, India
85r3+6qm, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.340273° Long 76.154719°
01/04/2025 10:59 AM GMT +05:30
Google

01/04/2025 10:59 AM GMT +05:30
Google

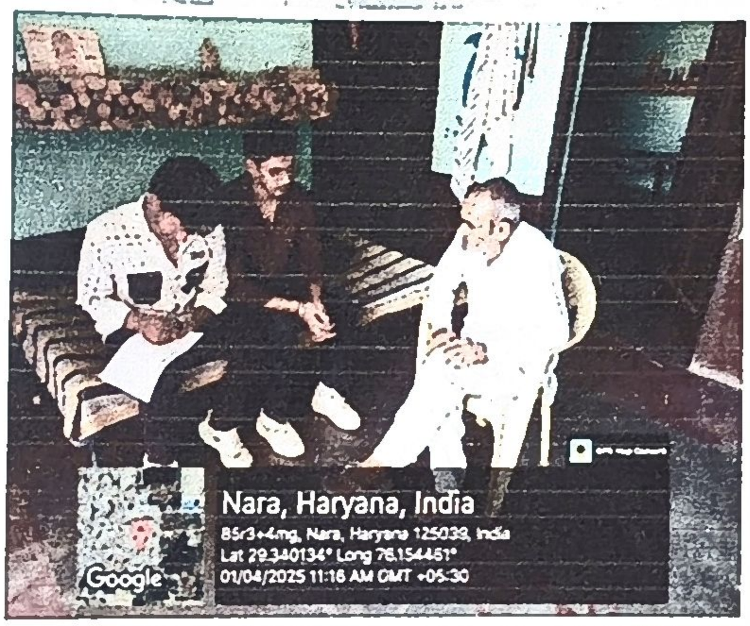
Nara, Haryana, India
85r3+4mg, Nara, Haryana 125039, India
Lat 29.340134° Long 76.154451°
01/04/2025 11:16 AM GMT +05:30
Google

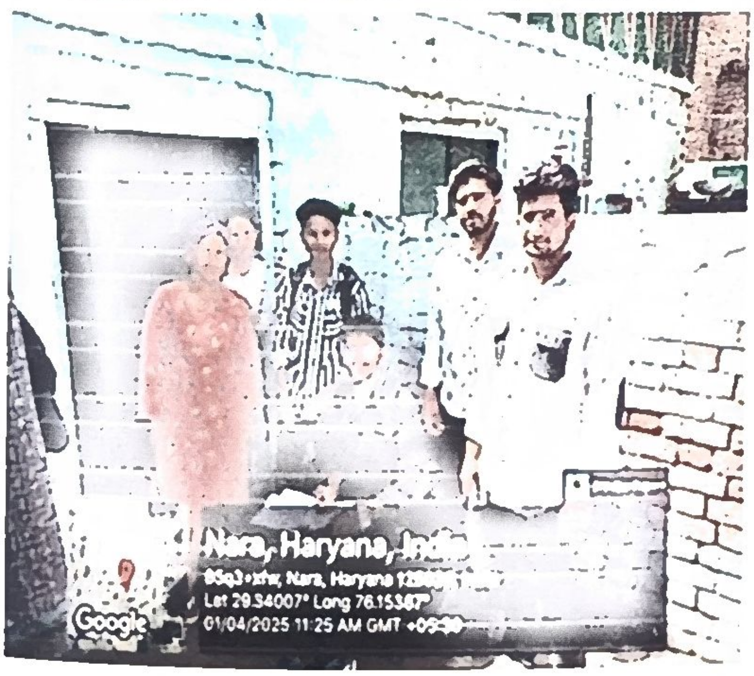
Nara, Haryana,
Lat 29.34007° Long 76.15367°
01/04/2025 11:25 AM GMT
Google

Nada, Haryana, India
85r3+765, Nada, Haryana 125039, India
Lat 29.340559° Long 76.15312°
01/04/2025 12:17 PM GMT +05:30
Google